+91 7014373732
marudharnews.com
info@marudharnews.com
खबरों और विज्ञापन हेतु संपर्क करें
हिन्दुस्तान की नई आवाज

मरूधर हिन्द

CIN NO.- U74999RJ2020PTC067985
UN NO.- RJ02D0022186
मरूधर हिन्द अब एक नए अंदाज में

वर्ष : 03 | अंक : 175 | जयपुर, शुक्रवार 29 जून 2022 | कुल पेज : 6

एक्सप्रेस न्यूज

ऐतिहासिक कल्पवृक्ष का धार्मिक मेला आज

अजमेर,(एजेंसी)। राजस्थान में अजमेर जिले के मांगलियावास में गुरुवार को हरियाली अमावस्या के मौके पर ऐतिहासिक कल्पवृक्ष का धार्मिक मेला भरेगा। इसके लिए ग्राम पंचायत प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है। मांगलियावास स्थित ऐतिहासिक धार्मिक महत्व वाले कल्पवृक्ष जोड़े पर वर्षों वर्षों से हरियाली अमावस्या के धार्मिक मेले की परंपरा चलती आ रही है जहां अजमेर जिले के अलावा राजस्थान की बहुतेरी जगहों से श्रद्धालु आते हैं और स्वस्थ रहने के साथ खुशहाली एवं समृद्धि की कामना करते हैं। मेले में ग्रामीण परिवेश की छटा देखते ही बनती है। मेले को लेकर पूरे गांव में उत्साह का माहौल रहता है। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी मांगलियावास पहुंचकर कल्पवृक्ष जोड़े के दर्शन किए थे।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न

प्रयागराज, (ब्यूरो)। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार्य नहीं है। स्वास्थ्य से सम्बंधित जो योजनाएं संचालित है, उनका अच्छी तरह से क्रियान्वयन करते हुए लोगो को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने अस्पतालों में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के साथ-साथ नियमित अंतराल पर मेडिकल स्टॉफ का प्रशिक्षण भी कराते रहने का निर्देश दिए है।

विशेष अदालत से राकेश वाधवन की जमानत मंजूर

मुंबई, (एजेंसी)। हाउसिंग डेवलपमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एचडीआईएल) के पूर्व प्रमोटर राकेश वाधवन को यस बैंक और मैकस्टार के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में यहां की एक विशेष अदालत ने जमानत दे दी। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत विशेष जज ने जमानत मंजूर करते हुए उन्हें पांच लाख रुपए नकद भरने और बाद में उन्हें उतनी ही राशि की जमानत देने लिए कहा। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है और एजेंसी ने उसकी जांच के प्रतिकूल किसी भी गतिविधि की सूचना नहीं दी है। कोर्ट ने कहा कि राकेश वाधवन कई अन्य मामलों में एक विचाराधीन कैदी है।

लालू यादव केस में बिरसा मुंडा जेल से जवाब मांगा

रांची, (एजेंसी)। अविभाजित बिहार के बहुचर्चित अरबों रुपए के चारा घोटाले मामले में सजायाफ्ता राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और अन्य आरोपियों की सजा बढ़ाये जाने की मांग वाली सीबीआई की याचिका पर बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट के जज न्यायमूर्ति आर.मुखोपाध्याय और न्यायमूर्ति अम्बुज नाथ की खंडपीठ ने सीबीआई की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए रांची स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार से जवाब मांगा है। अदालत ने देवघर कोषागार से जुड़े आरसी 64ए/96 मामले में सुनवाई करते हुए दोषियों की सजा अवधि की जानकारी मांगी है।

कई भाषाओं में होगी उप्र के उत्पादों की जानकारी

लखनऊ, (ब्यूरो)। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना 'एक जिला एक उत्पाद' से जुड़े उत्पादों के बारे में अब पूरी जानकारी विभिन्न भारतीय भाषाओं में भी मिलेगी। इसके लिए राज्य सरकार के एमएसएमई और निर्यात प्रोत्साहन विभाग ने माइक्रो ब्लागिंग एप 'कू' के साथ एक एमओयू पर बुधवार को हस्ताक्षर किया है। इससे अब उत्तर प्रदेश के उत्पादों को प्रमोट करने में मदद मिलेगी। उप्र सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग के अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल और 'कू' के सह-संस्थापक एवं सीईओ अप्रमेय राधाकृष्ण ने बुधवार को एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

आज का इतिहास

- 1586 : सर थामस हेरिओट ने यूरोप को आलू के बारे में बताया।
- 1741 : कैप्टन बेरिंग ने माउंट सैंट एलियास, अलास्का की खोज की।
- 1742 : प्रशिया और आस्ट्रिया ने शांति संधि पर हस्ताक्षर किए।
- 1821 : पेरू स्पेन से आजाद हुआ।
- 1858 : उंगलियों के निशान को पहचान का बेहतर जरिया बताने वाले सर विलियम जेम्स हर्शेल का जन्म।
- 1866 : अमेरिका में मापने की मीट्रिक प्रणाली को वैधानिक मान्यता मिली।
- 1914 : प्रथम विश्व युद्ध की शुरुआत।
- 1914 : एस.एस. कामागाता मारू को वेंकुवर से निकाला भारत रवाना किया।
- 1924 : हेपेटाइटिस का टीका खोजने वाले बारुक ब्लमर्ग का जन्म। इसी दिन विश्व हेपेटाइटिस डे मनाया जाता है।
- 1976 : चीन में 8.3 की तीव्रता वाले भूकंप से लाखों लोगों की मौत।

घंटाकर्ण उत्सव

नेपाल के भक्तपुर में घंटाकर्ण उत्सव मनाते श्रद्धालु। काठमांडू घाटी में नेवार समुदाय के सदस्यों ने दानव का पुतला बना कर उसे जलाया और अच्छे भाग्य की शुरूआत करने के लिए यह त्योहार मनाया। इंसेट - श्रद्धालुओं ने दानव के पुतले को रस्सी से खींचा।

टीएमसी के 38 विधायक भाजपा के संपर्क में

कोलकाता ■ एजेंसी

बॉलीवुड सुपरस्टार और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी के 38 विधायकों का भाजपा से संपर्क है। इनमें से 21 विधायक उनके सीधे संपर्क में हैं। बंगाल की राजनीति में सक्रिय होने के बाद मिथुन चक्रवर्ती ने पहली बार बीजेपी विधायकों के साथ बैठक की। बीजेपी विधायकों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि 38 टीएमसी विधायक बीजेपी के संपर्क में हैं और इनमें से 21 उनके सीधे संपर्क में हैं।

मिथुन का बड़ा दावा, बंगाल में भी हो सकता है सत्ता परिवर्तन

उन्होंने कहा कि 2021 के विधानसभा चुनाव में जबरदस्ती चुनाव जीता गया है। उन्होंने कहा कि हिंदी में एक कहावत है कि जबरन छीनी गई चीजों को संभालना मुश्किल है और चुनाव जबरदस्ती जीते गए हैं। विधानसभा चुनाव फिर से निष्पक्ष हुए तो भाजपा की जीत निश्चित है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का यह बयान कि साल 2024 में देश में बीजेपी की सरकार नहीं बनेगी। इसका जवाब देते हुए मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि बीजेपी की सरकार फिर बनेगी और फिर बनेगी। वहीं टीएमसी ने मिथुन के कथन का जवाब देते हुए कहा कि मिथुन को दिमागी बीमारी है।

कर्नाटक में भाजपा नेता की हत्या, 10 आरोपी पकड़े

एनआईए को सौंपा जा सकता है केस

बेंगलुरु ■ एजेंसी

कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में मंगलवार को भाजपा नेता प्रवीण नेट्टारू की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई। नेतरू भाजपा युवा मोर्चा के जिला सचिव थे। हत्या के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुत्तूर में प्रदर्शन किया, जो देर रात तक जारी रहा।

कन्हैयालाल की हत्या के विरोध में सोशल की थी मीडिया पोस्ट

प्रवीण ने 29 जून को राजस्थान में मारे गए कन्हैयालाल की हत्या के विरोध में सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है। अब तक 10 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। इनसे पूछताछ की जा रही है। बढ़ते विरोध को देखते हुए पुत्तूर में धारा 144 लागू कर दी गई। मामले में कर्नाटक के गृहमंत्री अरगा जनेंद्रा ने सीएम बसवराज बोम्मई से मुलाकात की है। बोम्मई ने कहा कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर केस राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को भी सौंपा जा सकता है।

प्रवीण की दक्षिण कन्नड़ के बेल्लारे इलाके में पोल्ट्री की दुकान है। मंगलवार को जब प्रवीण दुकान बंद कर घर लौट रहा था तो बाइक पर सवार कुछ लोगों ने आकर उसका रास्ता रोक लिया। उसने प्रवीण पर कुल्हाड़ी से हमला किया। वह गंभीर रूप से घायल हो गया और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई।

23 जून को भी हो चुकी है भाजपा नेता की हत्या

कर्नाटक में 23 जून को भाजपा नेता मोहम्मद अनवर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्यारे बाइक से आए थे। मोहम्मद अनवर भाजपा के महासचिव थे। बीजेपी सांसद शोभा करंदलाजे ने इस हत्या के पीछे कट्टरपंथियों का हाथ बताया था।

महंगाई के मुद्दे पर संसद में विपक्ष का कड़ा रुख

लोकसभा में होता हंगामा नहीं चला प्रश्नकाल

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लोकसभा में महंगाई के मुद्दे पर विपक्ष का हंगामा जारी रहा जिसके कारण बुधवार को भी प्रश्नकाल नहीं चल पाया और सदन की कार्यवाही 12 बजे तक स्थगित करनी पड़ी।

अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सदस्यों को जानकारी दी कि जांबिया गणराज्य की असेंबली का शिष्टमंडल भारत भ्रमण पर आया है और उसके सदस्य सदन की कार्यवाही देखने के लिए अतिथि कक्ष में हैं। उन्होंने सदन की तरफ से शिष्टमंडल के सदस्यों का और जांबिया के लोगों का हार्दिक स्वागत किया। श्री बिरला ने इस परिचय के बाद जैसे ही प्रश्नकाल शुरू किया विपक्ष के

सदस्य हाथों में तख्तियां लेकर नारे लगाते हुए सदन के बीचोंबीच आ गए और जमकर हंगामा करने लगे। श्री बिरला सदस्यों को बार-बार अपनी सीट पर जाने का आग्रह करते रहे लेकिन सदस्यों ने उनकी बात पर कोई ध्यान नही दिया।

राज्यसभा में अगले सप्ताह महंगाई पर चर्चा संभव

राज्यसभा में अगले सप्ताह की शुरुआत में महंगाई और संबंधित मुद्दों पर चर्चा संभव है। राज्यसभा सचिवालय के सूत्रों ने बुधवार को यहां बताया कि सभापति एम. वेंकैया नायडू और विपक्षी दलों के नेताओं के बीच सुबह हुई एक बैठक में इस आशय की व्यापक सहमति बनी। इस बैठक में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मलिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस के के.सी. वेणुगोपाल, समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव, टीएमसी के डेरेक ओ ब्रायन, द्रमुक के तिरुचि शिवा, शिवसेना के संजय राऊत, माकपा के इलावरम करीम, भाकपा के विनय विस्वम, तेलंगाना राष्ट्र समिति के सुरेश रेड्डी और एमडीएमके के वाइको शामिल थे।

राज्यसभा में नहीं चला शून्यकाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राज्यसभा में विपक्षी दलों ने बुधवार को भी महंगाई और जीएसटी से जुड़े मुद्दे उठाने का प्रयास किया जिसके कारण सदन में शून्यकाल नहीं चल सका। सभापति एम वेंकैया नायडू ने सुबह सदन की कार्यवाही शुरू करते हुए आवश्यक दस्तावेज पटल पर रखवाए। इसके बाद उन्होंने कहा कि विपक्ष के कई सदस्यों ने नोटिस दिए हैं जिनमें महंगाई का मुद्दा प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि यह नोटिस कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, द्रविड़ मुनेत्र कषगम और वामदलों के सदस्यों से मिले हैं। सभापति ने कहा कि वह इस मुद्दे पर अपना रुख बता चुके हैं और सदस्य शून्यकाल में ये मुद्दे उठा सकते हैं। इसके बाद उन्होंने शून्यकाल शुरू कराने का प्रयास किया लेकिन विपक्ष के सदस्य अपनी सीटों पर खड़े हो गए और उन्होंने बोलना शुरू कर दिया। इस पर श्री नायडू ने सदन की कार्यवाही 12:00 बजे तक स्थगित करने की घोषणा कर दी।

'आप' के संजय सिंह सदन की कार्यवाही से निलंबित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सभापति के आसान की ओर कागज फाड़कर फेंकने और कार्यवाही में बाधा उत्पन्न करने को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के संजय सिंह को राज्यसभा की इस सप्ताह की शेष अवधि के लिए बुधवार को निलंबित कर दिया गया और इसके बाद सदन की कार्यवाही पहले 15 मिनट तथा उसके बाद दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई।

गूगल स्ट्रीट व्यू अब भारत में लांच, 10 शहरों में सेवा शुरू

नई दिल्ली,(एजेंसी)। गूगल मैप्स पर अब भारत के 10 शहरों में सड़कों और गलियों की वास्तविक तस्वीरें देखी जा सकेंगी। प्रौद्योगिकी कंपनी ने इसके लिए दो स्थानीय कंपनियों के साथ भागीदारी की है। सरकार ने पूर्व में सुरक्षा कारणों से सड़कों और अन्य जगहों की व्यापक फलक वाली तस्वीरें दिखाने की अनुमति नहीं दी थी। अबतक गूगल मैप्स पर उपग्रह से ली गईतस्वीरें होती थीं, लेकिन अब उसपर वास्तविक तस्वीरें होंगी।

गूगल ने बुधवार को बयान में कहा कि जेनेसिस इंटरनेशनल और टेक महिंद्रा की भागीदारी के साथ सड़कों, गलियों की वास्तविक तस्वीर देखने की सेवा शुरू की गयी है। बयान के अनुसार, गूगल मैप्स पर बुधवा‌‌ा से सड़क की तस्वीर उपलब्ध हो गई है। यह सेवा बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, पुणे, नासिक, वडोदरा, अहमदनगर और अमृतसर में होगी।

गूगल, जेनेसिस इंटरनेशनल और टेक महिंद्रा की 2022 तक इस सेवा का 50 से अधिक शहरों में विस्तार करने की योजना है। इसके साथ गूगल मैप्स यातायात प्राधिकरणों की तरफ से जारी गति सीमा के आंकड़े भी दिखाएगी। गूगल ने ट्रैफिक लाइट के समय को बेहतर ढंग से बनाने के मॉडल को लेकर बेंगलुरु यातायात पुलिस के साथ अपनी साझेदारी की भी घोषणा की है।

गुणवत्ता व समयबद्धता में पूरा करें निर्माण कार्य : आशीष पटेल

लखनऊ, (ब्यूरो)। प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा, उपभोक्ता संरक्षण एवं बांट माप मंत्री आशीष पटेल की अध्यक्षता में बुधवार को विधानसभा स्थित कार्यालय कक्ष में राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज कन्नौज की प्रशासकीय परिषद की बैठक आहूत की गई। उन्होंने निर्माण कार्यों को लेकर राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज कन्नौज के अफसरों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने साथ ही राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज कन्नौज के अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज कन्नौज में की जाने वाली भर्ती में उप्र शासन द्वारा जारी आरक्षण नीति का पूरी तरह पालन किया जाए।

दिल्ली में संघ, विहिप कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले एक व्यक्ति को बुधवार को गिरफ्तार किया गया है। विहिप के सह प्रचार प्रसार प्रमुख सुमित अलघ ने बताया कि विहिप के झण्डेवाला देवी मंदिर स्थिति दिल्ली प्रांत कार्यालय में एक व्यक्ति लगभग दोपहर 12 बजकर 18 मिनट पर आकर प्रांत मंत्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता से कहने लगा - 'पूरी बिल्डिंग बम से उड़ा दी जायेगी हमारे आका ने तय कर रखा है।

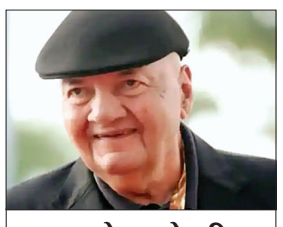

अपने मरने की खबर पर बोले प्रेम, अभी जिंदा हूं

मुंबई, (एजेंसी)। बॉलीवुड के लीजेंड एक्टर प्रेम चोपड़ा की मौत की खबर से उनके फैंस सकते में आ गए थे, लेकिन अब खुद एक्टर ने अपने सही सलामत होने की बात कही है, जिससे यकीनन उनके फैंस को थोड़ी राहत मिली होगी। इसे लेकर प्रेम चोपड़ा ने बताया है कि वो बिल्कुल स्वस्थ हैं। अपनी मौत की खबर को लेकर उन्होंने कहा, यह दुखद है, और क्या है! कोई गलत तरीके से लोगों को यह बताकर उन्हें दुख देकर आनंद प्राप्त कर रहा है कि मैं अब नहीं हूं. लेकिन यहां मैं आपसे बात कर रहा हूं, बिल्कुल स्वस्थ हूं।

पटना में सीबीआई के चार जगह छापे, भोला गिरफ्तार

पटना/नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के हनुमान कहे जाने वाले पूर्व विधायक भोला प्रसाद यादव के चार ठिकानों पर बुधवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम एक साथ छापेमारी कर रही है। सूत्रों ने बुधवार को छापेमारी की पुष्टि की।

श्री यादव के दरभंगा जिले के पैतृक घर कपछाही और बहादुरपुर थाना क्षेत्र के भैरोपट्टी मोहल्ला स्थित आवास पर एक साथ छापेमारी चल रही है। आयकर विभाग की सात सदस्यीय टीम की ओर से यह कार्रवाई की जा रही है।

श्री यादव राजद के उन नेताओं में शामिल हैं, जिन्हें राजद अध्यक्ष का बेहद करीबी माना जाता है। इसलिए, उन्हें राजद अध्यक्ष का हनुमान भी कहा जाता है। श्री यादव वर्ष 2015 में बहादुरपुर विधानसभा सीट से राजद के टिकट पर विधायक चुने गए थे। वहीं, वर्ष

भोला यादव पर भी आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप

2020 के विधानसभा चुनाव में वह हायाघाट से राजद के टिकट पर चुनाव लड़े, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली थी।

वहीं राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के करीबी को सीबीआई ने अरेस्ट कर लिया हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) ने बुधवार को पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के तत्कालीन ओएसडी भोला यादव को नौकरी के लिए जमीन लेने के मामले में गिरफ्तार किया है।वही, भोला यादव 2004 से 2009 के बीच लालू प्रसाद के ओएसडी थे। जांच में उसकी भूमिका सामने आई। यादव को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया जाएगा। सीबीआई उनकी दो सप्ताह की हिरासत की मांग कर सकती है।

लोस अध्यक्ष ओम बिरला से मिले मोजाम्बिक सभापति

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को संसद भवन परिसर में मोजाम्बिक गणराज्य की संसद की सभापति एस्पेरंका लॉरिन्डा फ्रांसिस्को नाहीवने बायस के साथ बैठक की। भारतीय संसद के निमंत्रण पर मोजाम्बिक गणराज्य की संसद का एक शिष्टमंडल भारत के तीन दिवसीय दौरे पर आया है। श्री बिरला ने संसद भवन स्थित अपने कार्यालय में शिष्टमंडल का स्वागत किया और भारत के नए राष्ट्रपति के निर्वाचन एवं शपथ ग्रहण के तुरंत बाद सुश्री बायस के संसद आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने आगे कहा कि सुश्री बायस राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने वाले पहले अंतरराष्ट्रीय विशिष्टजनों में से एक होंगी।

संत आत्मदाह घटना की सीबीआई जांच की मांग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा ने राजस्थान के भरतपुर जिले में ब्रज की चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग में आने वाले दो पवित्र पर्वतों के खनन करके नष्ट करने के विरोध में संत स्वामी विजयदास महाराज के आत्मदाह करने पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए इस पूरी घटना की सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस बारे में भाजपा के महासचिव अरुण सिंह, सीकर के सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, सांसद सत्यपाल सिंह और सांसद एवं उप्र के पूर्व पुलिस महानिदेशक बृजलाल की एक उच्चस्तरीय समिति बना कर उसे घटनास्थल पर जांच के लिए भेजा था। समिति ने बुधवार को रिपोर्ट पेश की।

शपथ ग्रहण पंजाब प्रांत के राज्यपाल के मना करने के बाद राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने दिलाई शपथ

परवेज इलाही बने पाक पंजाब के मुख्यमंत्री

इस्लामाबाद ■ एजेंसी

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री के रूप में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) समर्थित परवेज इलाही को राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने बुधवार को शपथ दिलाई।

'जियो न्यूज़' की रिपोर्ट में बताया गया कि पंजाब प्रांत में मुख्यमंत्री चुनाव को लेकर विधानसभा के उपाध्यक्ष दोस्त मोहम्मद मजारी के आदेश को सुप्रीम कोर्ट द्वारा अवैध ठहराए जाने के बाद पीटीआई समर्थित उम्मीदवार श्री इलाही के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हुआ।

सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय जजों की बैंच ने अपने प्रारंभिक आदेश में पंजाब प्रांत के राज्यपाल बालिघ-उर -रहमान को श्री इलाही को

शपथ दिलाने के निर्देश दिये थे हालांकि , उन्होंने ऐसा करने से इंकार कर दिया था, जिसके बाद राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने श्री इलाही को शपथ दिलाई। पाक में सत्तारूढ़ गठबंधन ने पंजाब के मुख्यमंत्री के चुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को खारिज कर दिया है, जबकि विपक्षी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने इसकी सराहना की।

इस्लामाबाद में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

इस्मलामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री चुनाव में विधानसभा उपाध्यक्ष के फैसले को उलटने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद संघीय राजधानी इस्लामाबाद में सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी कर दी गई है। समाचार पत्र डॉन ने बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाये रखने और संवेदनशील, प्रमुख तथा सरकारी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था में दंगा नियंत्रण यूनिट और आतंकवाद निरोधक विभाग के साथ पुलिस को पूरी तरह से तैनात रहने के आदेश अधिकारियों ने दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट की सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक (एसपी) को दी गई है और न्यायाधीशों, जन एवं सरकारी अधिवक्ताओं के प्रवेश द्वार पर पुलिस कर्मियों के साथ छह टुकड़ियों को तैनात किया गया है। चार टुकड़ियों को एक्सप्रेस चौक, तीन को खयाबन-ए-सुहारवर्दी, दो-दो टुकड़ियों को नादरा मुख्यालय चौक, अघा खान रोड और एक-एक टुकड़ी को बारी इमाम टी-क्रॉस और मारगल्ला‌ा मार्ग पर लगाया गया है और पांच टुकड़ियों को सचिवालय पुलिस स्टेशन के निकट स्टैंडबाई पर रखा गया है।

प्रयागराज कानपुर खंड का जीएम ने किया निरीक्षण

प्रयागराज, (ब्यूरो)। महाप्रबंधक उमरे प्रमोद कुमार द्वारा गाड़ी संख्या 22435 वंदे भारत एक्सप्रेस से प्रयागराज-कानपुर खंड का फुट प्लेट निरीक्षण किया गया।

ज्ञात हो कि फुटप्लेट निरीक्षण में रेल अधिकारी ट्रेन के इंजन में लोको पायलट के साथ यात्रा करते हैं। बुधवार के निरीक्षण में महाप्रबंधक ने लोकोपायलट के संचालन और संरक्षा प्रक्रियाओं का सूक्ष्मतापूर्वक अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने मार्ग के सिग्नल और अन्य परिचालनिक इंस्टालेशन का भी जायजा लिया। महाप्रबंधक ने लोको पायलटों से रेल परिचालन से जुड़ी विभिन्न समस्याओं तथा उनके समाधान के बारे चर्चा कर जानकारी प्राप्त की।इसी क्रम में महाप्रबंधक ने कानपुर अनवरगंज स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान महाप्रबंधक ने यात्री सुविधाओं,परिचालन व्यवस्थाओं, कर्मचारी से जुड़े विभिन्न पहलुओं एवं ट्रैक मेंटेनेंस की विभिन्न यूनिट का गहनता पूर्वक अवलोकन किया।

दशामाता की स्थापना की गई, 10 दिन रहेगी धमचक

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। हरियाली अमावस्या पर गुरुवार को घरों में धूमधाम से दशा माता की स्थापना की गई। इसके लिए बाजार में दशा माता की कई आकर्षक प्रतिमाएं बिक्री के लिए लाई गई थी। महिलाओं और युवतियों ने ये प्रतिमाएं और श्रृंगार सामग्री खरीदी। दशा माता का यह पर्व दस दिन तक चलेगा। इस दौरान सौभाग्य की कामना के लिए महिलाएं व्रत रखेंगी। व्रत के अंतिम दिन ढोल ढमाकों के साथ प्रतिमा को तालाब या बांध में धूमधाम से विसर्जित किया जाता है। दशामाता का यह पर्व मुख्य रुप से गुजरात में मनाया जाता है। पिछले करीब एक दशक से क्षेत्र में भी इस पर्व को धूमधाम से मनाया जाता है। कई जगहों पर गरबा का भी आयोजन होता है। कुशलगढ़ कस्बे के बावलिया खार हनुमान मंदिर के पास दशा माता का बड़ा मंदिर हैं। जहां भक्तगण दर्शनार्थ आते हैं। हरियाली अमावस्या से शुरू होने वाले दशा माता के दस दिवसीय पर्व को लेकर कस्बे में दशा माता की मूर्तियों की खरीदारी हुई। महिलाएं दशा माता की मूर्तियां शुभ मुहूर्त में घर लेकर आई, जिसकी गुरुवार को विधि विधान के साथ स्थापना की गई। पर्व को लेकर कस्बे समेत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं बालिकाओं में काफी उत्साह बना हुआ हैं। महिलाएं दस दिनों तक उपवास रखकर दशा माता की आराधना करेगी। दशामाता महोत्सव को लेकर विभिन्न जगहों पर मूर्ति स्थापना गरबा के लिए पांडाल सज गए है। ढोल ढमाकों के साथ दशा माता की मूर्तियों को स्थापित किया गया। बाजारों में भी माता की विभिन्न तरह की मूर्तियां बड़ी संख्या में विक्रय के लिए लाई गई, जहां से लेकर श्रद्धालु अपने घरों में स्थापित किया।

नसरी बेगम बनी भाजपा की कार्यसमिति की सदस्य

मरुधर हिंद /आमिर खान कामां

कामा भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सतीश बंसल ने जिला अध्यक्ष डॉ शैलेश सिंह की सहमति से जिला कार्यसमिति घोषित की है। कामा से नसरी बेगम को भाजपा की कार्यसमिति की सदस्य मनोनीत किया साथ ही जिला समिति में जय सिंह बघेल नंदेरा एवं राधारानी मवई को सह संयोजक,गुलाब चंद शर्मा जनूथर, मोती लाल जांगिड़ नदबई, हरिश्चंद्र हरि नगर, रघुवीर सिंह फौजदार भरतपुर, देवेंद्र गोयल भरतपुर, विष्णु दत्त बंसल को भरतपुर कार्यसमिति का सदस्य मनोनीत किया गया।

हरियाली अमावस्या के अवसर पर पर्यवरण संरक्षण के लिए जन जागृति अभियान की शुरुआत

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। अभ्युदय वेल्फेयर एसोसिएशन तथा विद्या निकेतन विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में हरियाली अमावस्या के अवसर पर पर्यवरण संरक्षण के लिए जन जागृति अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान के तहत अभ्युदय वेल्फेयर एसोसिएशन द्वारा विद्यालय प्रांगण में 25 नीम एवं बेल पत्र के पौधे लगाए गए।अभियान को सफल बनाने के लिए अभ्युदय वेल्फेयर एसोसिएशन के निदेशक श्री जिनेन्द्र सेठिया,अंकुर राजगुरु एवं सौरभ जोशी के साथ विद्यालय के प्रधान आचार्य कैलाशजी राव व विद्यानिकेतन विद्यालय के शिक्षकगण तथा विधार्थियों का पूर्णतः सहयोग रहा।

नपा खेड़ली में विधायक की मौजूदगी में हुआ जनसुनवाई कार्यक्रम, मौके पर 25 पट्टे वितरित

मरूधर हिन्द

खेरली।दिनेश लेखी। कस्बे की नगरपालिका परिसर में गुरुवार को विधायक बाबूलाल बैरवा की मौजूदगी में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। धिशाषी अधिकारी किंगपाल ने बताया कि जनसुनवाई में रोड लाइट, डिवाइडर पर पौधे लगाने एवं ई कियोस्क की बंद व टूटी फूटी पड़ी दुकानों को तोड़ने जैसी कई समस्याओं को सुना गया एवं मौके पर ही निस्तारण के आदेश दिए गए। एवं दुकानों को खाली करवाकर उन्हें दोबारा किराए पर देने के नगरपालिका को दिशा निर्देश दिए गए। जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान 25 पट्टो का भी वितरण किया गया।वही इस कार्यक्रम के दौरान नगरपालिका अध्यक्ष संजय गीजगढ़िया द्वारा सभी विधायक एवं अतिथियों का साफा बंधन एवं माला पहना कर स्वागत किया। इस मौके पर अनुसूचित जनजाति वित्त आयोग के उपाध्यक्ष अवधेश बैरवा, नगरपालिका अध्यक्ष संजय गीजगढ़िया,विधायक निजी सचिव वीरू बैरवा पार्षद,पूर्व प्रधान गोपालसिंह नरूका, अधिशाषी अधिकारी किंगपाल सिंह, जेईएन पवन गुप्ता, नगरपालिका पार्षद जगदीश लखेरा, पार्षद चिनेश कंसल,प्रकाश चंद जैन, प्रीति रानी, अम्तेश जैन, राजकुमार जैन, सहित सभी मेंबर एवं नगरपालिका के कर्मचारी उपस्थित रहे।

दस दिवसीय दशामाता व्रत दिवासा आज से

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

बांसवाड़ा। अगरपुरा दशामाता व्रत दिवासा आज से प्रारम्भ 10 दिनों तक होंगें विविध अनुष्ठान आज गाजे-बाजे के साथ माँ की प्रतिमा को धाम पर लाया गया और षोडशोपचार पूजन कर पूर्ण विधिविधान के साथ पाठ पर विराजमान किया गया। धाम गादिमाता राजूबेन प्रजापत ने व्रत की जानकारी देते हुए बताया कि पाठ पर प्रतिमा स्थापित कर 10 दिनों तक माँ के प्रति सच्ची श्रद्धा से भक्ति कर मंछा पूर्ण करनें हेतु यह व्रत किया जाता है। व्रतधारी महिलाएं सूत के धागें की गांठ बनाकर यह व्रत लेती हैं। और प्रतिदिन व्रत, उपवास कर दसवें दिन मूर्ति विसर्जन कर व्रत परायण किया जाता है। धाम प्रवक्ता रौनक पुरोहित ने बताया कि धाम पर 10 दिनों के अंतर्गत अखंड ज्योत, मंगल जवारें, कलश स्थापना और बैठक गरबों का आयोजन किया जायेगा। और लाल शुक्रवार व्रत, दुर्गासप्तशती पाठ, तंत्रोक्त देवी सूक्तम, शिव साधना मुख्य आचार्य जुगलकिशोर भट्ट, रौशन पाठक द्वारा की जायेगी साथ ही अंतिम दिन सामुहिक सभी भक्तों द्वारा चावल से सुख-समृद्धि और खुशहाली, निरोगी रहनें की कामना की जाती हैं। यह व्रत धाम के गादिमाता राजूबेन प्रजापत के सानिध्य में किया जायेगा, प्रतिदिन यजमानों द्वारा संध्या महाआरती ,भोग और भक्तों को आशीर्वाद, प्रसाद स्वरूप पुष्प दिया जायेगा। यह व्रत हरियाली अमावस्या से शुरू होकर शुक्लपक्ष दशमी तक मनाया जायेगा और अंतिम दिन 56 भोग महाआरती के साथ तालाब पर मूर्ति विसर्जन किया जायेगा। धाम से जुड़े सभी मुख्य सदस्यों नारायण प्रजापत, आशीष जोशी, सुरेश नागदा, कुलदीप कंसारा, कमलेश सोनी,दिपेश सोनी, राकेश सोनी,सचिन श्रीमाल,किशन शर्मा, मांगीलाल तंबोली, गजानन्द पाठक, अजय पंडित, विष्णु कंसारा, अशोक पालीवाल, मुन्ना भाई, अजय पंचाल,दिलीप पंचाल द्वारा यह कार्यक्रम मनाया जायेगा।

गांधी नगर खेल मैदान जयपुर स्थित स्कूल में मंत्री जूली के मुख्य आतिथ्य में दिव्यांगों को सहायक उपकरण किये वितरित

मरूधर हिन्द

अलवर । दिनेश लेखी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने गुरूवार को गांधी नगर खेल मैदान जयपुर स्थित राजकीय राजा रामदेव पोद्दार उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित सहायक उपकरण शिविर में दिव्यांगों को उपकरण वितरित किए। मंत्री जूली ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के दिव्यांगों की सेवा हेतु विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनको लाभांवित करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश के दिव्यांगों के लिए विशेष शिविर लगाकर उन्हें राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग विशेष रूपरेखा तैयार कर रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में दिव्यांगों का आरक्षण तीन से चार प्रतिशत बढ़ा दिया है। साथ ही उनकी पेंशन भी बढ़ाई गई है। दिव्यांगों को किसी भी परेशानी का सामना ना करना पडे इसके लिए उनके परिचय पत्र बनाए गए है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय विभाग द्वारा दिव्यांगों को उपकरण प्रदान करने के लिए समय-समय पर सह पंजीकरण शिविर लगाए जा रहे हैं। जिसमें उन्हें उनकी जरूरत के अनुसार उपकरण प्रदान किये जाते हैं। उन्होंने बताया कि शिविर में गेल इंडिया लि. ने सीएसआर के माध्यम से 134 लाभार्थियों को 60 लाख रुपये की लागत के 135 सहायक उपकरण वितरित किए गए जिसमें 123 मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, 2 जॉयस्टिक व्हीलचेयर, 6 फोल्डिंग व्हीलचेयर, 2 कान की मशीन, 2 सीपी चेयर वितरित की गई। इस अवसर पर शासन सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता

हर घर रक्तवीर अभियान का बढ़ता कारंवा

अरुण जोशी कुशलगढ़ की रिपोर्ट

कुशलगढ़- रक्तदान महाभियान का सपना लिए हर घर रक्तवीर की पहल धीरे धीरे सार्थक होती दिख रही। वागड़ क्षेत्र में निरन्तर जन्मदिन, सालगिरह, व अपनो की स्मृति में रक्तदान का सिलसिला लगातार जारी है। रक्तदान जनजागृति को लेकर सपना फाउंडेशन द्वारा किये जा रहे प्रयास रंग ला रहे है।

स्वजनों की स्मृति में परिवार के सदस्यों ने किया रक्तदान

उसी कड़ी में आज जागरूकता का नया अध्याय जोड़ते हुए स्वर्गीय दादी श्रीमती गंगा देवी एवं स्वर्गीय पिता शंकरलाल रायकवाल की स्मृति में चार भाईयो व एक बहु सहित परिवार के 5 सदस्यों द्वारा रक्तदान किया गया। रक्तदान करने वाले रक्तवीरो में अशोक रायकवाल द्वारा दूसरी बार, विनोद रायकवाल द्वारा सातवी बार,नरेश रायकवाल द्वारा चौथी बार, राम प्रसाद रायकवाल द्वारा पहली बार रक्तदान किया गया। साथ ही नरेश रायकवाल की धर्मपत्नी भारती यादव द्वारा पहली बार रक्तदान किया गया। इस दौरान माता जी लक्ष्मी रायकवाल, कल्पना यादव, सेजल यादव, उमंग, रीतिशा, मितांश, माही,इशिता, देवेंद्र कोटपारा, राजेंद्र परमार, अरविंद कोटपरा, मुकेश यादव घंटाला, भरतचंद्र यादव, मंजू यादव, जसू यादव, हिमाक्षी, कृतिका उपस्थित रहे। इस अवसर पर रेड ड्रॉप इंटरनेशनल से मुर्तजा रतलामी एवं सपना फाउंडेशन फाउंडर विश्वम्भर मेघवाल सुखवाड़ा, डूंगरपुर प्रभारी पीयूष हरसोत, कॉर्डिनेटर रोहित गणावा उपस्थित रहे तथा ब्लड बैंक डॉक्टर समीर खान, लेब टेक्नीशीयन राजेंद्र सैनी, चंद्रेश उपाध्याय उपस्थित रहे।साथ ही नरेश रयकवाल द्वारा बताया गया की स्वर्गीय दादी एव पिताजी की 22 वी पुण्यतिथि पर त्रयम्बकेश्वर मंदिर में भोजन कराया गया। सपना परिवार के डूंगरपुर प्रभारी पीयूष हरसोत ने बताया कि पारिवारिक अवसर व जन्मदिन पर होने वाले रक्तदान से एक कारंवा जुड़ेगा जो आगे जाकर जरूरत पड़ने पर रक्तदान के लिए तैयार रहेंगे।

मुक्तिधाम पर पहुंचने के लिए नहीं है रास्ता, सरपंच के नेतृत्व में ग्रामीणों ने रास्ता दिलवाने के लिए एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मरुधर हिन्द/ हवासिंह चौधरी

मुंडावर। क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत जसाई स्थित श्मशान घाट तक पहुंचने के लिए रास्ता दिलवाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने सरपंच वीरेंद्र शर्मा के नेतृत्व में एसडीएम पंकज बड़गुजर को ज्ञापन सौंपा। सरपंच वीरेन्द्र शर्मा ने बताया कि गाँव में खसरा नम्बर 513 रकबा 0.25है. में शमशान घाट स्थित है, जहाँ पर जाने के लिए रास्ते का अभाव है, जिसके कारण अपने परिजनों का अंतिम संस्कार करने के लिए जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, परेशानी उस समय ज्यादा बढ़ जाती है जब खेतों में फसल लगी हो या फिर बरसात का मौसम हो। मुक्तिधाम तक रास्ता बनाए जाने के लिए ग्रामीण कई बार मांग कर चुके हैं, लेकिन अभी तक रास्ता नहीं बन सका है। ग्रामीणों ने एसडीएम से खसरा नंबर 511 व 512 खेत की डोल के सहारे शमशान घाट तक जाने के लिए 12 फिट रास्ता दिलवाने की एसडीएम से गुहार लगाई है।

अर्थी के गिरने का लगा रहता है डर

गांव के पास बने मुक्तिधाम पर अपने परिजनों का अंतिम संस्कार करने के लिए जाने वाले लोगों को काफी संभलकर निकलना पड़ता है, क्योंकि मुक्तिधाम तक पहुंचने के लिए ग्रामीणों को खेत से होकर निकलना पड़ता है। कई बार तो अर्थी ले जाने वाले लोगों के फिसलने के कारण अर्थी के गिरने की स्थित बन जाती है, रास्ते में अर्थी न गिरे इसके लिए अर्थी के आसपास लोगों को ध्यान रखने के लिए चलना पड़ता है।

बरसात में बढ़ जाती है परेशानी

मुक्तिधाम तक पहुंचने के लिए ग्रामीण सर्दी व गर्मी के मौसम में जैसे-तैसे निकल जाते हैं परंतु बरसात के मौसम में ग्रामीणों को अंतिम संस्कार करने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ता है, क्योंकि बरसात के मौसम में खेतों में पानी भरा होने के कारण लोगों का मेड़ों पर चलना मुश्किल हो जाता है। मजबूरी में लोगों को खेतों से भरे पानी के बीच से होकर निकलना पड़ता है, क्योंकि मुक्तिधाम तक पहुंचने के लिए इसके अलावा दूसरा रास्ता नहीं है।

पैसों के लेन देन को लेकर हुए झगड़े में युवक की हत्या

मरुधर हिन्द/रमाकान्त शर्मा

बानसूर के हरसौरा थाना क्षेत्र के गांव गुवाडा में एक 62 वर्ष के बुजुर्ग की हत्या करने का मामला सामने आया है। बुजुर्ग के भाई के लड़को ने लाठी डंडों से हमला कर बुर्जुग की हत्या कर दी। बानसूर डीएसपी मृत्युंजय मिश्रा ने बताया कि हरसौरा के गांव गुवाडा में पैसे के लेनदेन को लेकर बीती शाम भाई के लड़को (भतीजों) ने लाठी डंडों से बुर्जुग मानसिंह गुर्जर उम्र 62 वर्ष निवासी गुवाडा पर लाठी डंडों से हमला कर दिया। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया । वही घायल युवक को बानसूर सीएचसी लाया गया। जहा गंभीर स्थिति होने पर जयपुर निम्स अस्पताल में ईलाज के लिए ले जाया गया। जहां ईलाज के दौरान दम तोड दिया। मृतक बुर्जुग के भाई शिवलाल गुर्जर ने बताया कि परिवार में भाई के लड़को के साथ 8 लाख 60 हज़ार रुपए के लेनदेन को लेकर काफ़ी दिनो से विवाद चल रहा था। हमने दो बार 12 गावो की पंचायत भी बुलाई गई। लेकिन भाई के लड़के पैसे देने की आनाकानी करते रहें। वही बीती शाम करीब 7 बजे बानसूर से मेरा लड़का और भाई मानसिंह मोटरसाइकल से घर आ रहे थे। इसी बीच भाई के लड़को ने दोनो को थार गाड़ी से कुचलने का प्रयास किया। लेकिन गाडी की टक्कर से किसी तरह बच गए। यह घटना सुन्दरी माता मंदिर के पास की है।वही उसके बाद भाई के लड़को लक्ष्मीनारायण ,महेंद्र, बलराम ,कृष्ण, विनोद, साला राम ,राम रतन ने मेरे भाई मानसिंह पर लाठी-डंडों ,कुल्हाड़ी व फ़रसी से हमला कर दिया। जिससे मान सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसको उपचार के लिए बानसूर अस्पताल लाया गया ।जहां हालात खराब होने पर घायल को जयपुर रेफर किया गया। वहीं आज जयपुर के निम्स अस्पताल में इलाज के दौरान मानसिंह गुर्जर ने दम तोड दिया। वहीं पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं पुलिस ने 6-7 लोगों के खिलाफ हत्या करने का मामला दर्ज कर लिया है।

तिजारा शीतला गुलाबो माता के मंदिर में नीलकंठ महादेव परिवार प्राण प्रतिष्ठा कार्य संपन्न हुआ

मरुधर हिंद राकेश सैनी

तिजारा गुलाबो शीतला माता के मंदिर में चल रहे तीन दिवसीय कार्यक्रम आज संपन्न हुआ । जिसमें आज प्रदीप जैन डब्बू ने बताया प्रतिष्ठा चार्य परमानंद महाराज महंत गंगा मंदिर तिजारा ने विधि विधान से नीलकंठ महादेव राधा कृष्ण एवं हनुमान जी महाराज की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई। जिसमें 9-30 बजे बैंड बाजों के साथ कलश यात्रा सारे बाजार होती हुई वापस मंदिर पहुंची जगह जगह पर कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया गया मंदिर प्रांगण में गायत्री परिवार द्वारा पंच गुंडे गायत्री महायज्ञ जिसमें जजमान प्रदीप अग्रवाल, बजरंग अग्रवाल ,पंडित सुंदरलाल शर्मा महिला पुरुषों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया संस्था अध्यक्ष अशोक अग्रवाल महंत जस्सू महाराज मातादीन जांगिड़ कैलाश चंद अग्रवाल वेदा गुर्जर सुनील अग्रवाल विक्रम सैनी राज दत्त मिश्रा अनिल शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे मूर्ति स्थापना के बाद भंडारे का आयोजन किया गया।

खेड़ली कस्बे में विगत 10 वर्षों से चली आ रही प्रमुख समस्या का आखिर हुआ अंत

मरूधर हिन्द

खेडली। दिनेश लेखी। नगर पालिका प्रांगण में विधायक बाबूलाल बैरवा एवं राजस्थान अनुसूचित जाति एवं वित्त विकास आयोग के उपाध्यक्ष अवधेश बैरवा के मुख्य आतिथ्य में जनसुनवाई आयोजित हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार में कस्बेवासियों ने वर्षों से चले आ रही कियोस्क हटाने की समस्या से रूबरू कराया जिसमें बाबूलाल बैरवा एवं अवधेश बैरवा द्वारा बुधवार को ही उक्त कियोस्क हटाने हेतु अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका को आदेशित किया गया। जिसकी पालना में जेसीबी द्वारा कियोस्क हटाने की कार्यवाही कर दी गई है । वर्षो पुरानी समस्या का तुरंत चंद पलों में ही समाधान होने से कस्बेवासियों में खुशी की लहर है। कस्बे की समस्त जनता ने इस महान समस्या से निजात दिलाने हेतु विधायक बाबूलाल बैरवा एवं अवधेश बैरवा का आभार प्रकट किया।

खेरली थाना पुलिस ने अवैध बजरी से भरा हुआ एक ट्रैक्टर ट्रॉली सहित किया जब्त

ढाई लाख की लूट का एक आरोपी गिरफ़्तार

खेरली । दिनेश लेखी। थाना पुलिस ने गुरुवार को अवैध खनन के खिलाफ कार्यवाही करते हुए एक ट्रैक्टर ट्रॉली सहित जब्त किया है। थानाधिकारी राजवीर सिंह शेखावत ने बताया कि उदयपुरा मोड़ पर एक ट्रैक्टर तेज गति से जा रहा था रोक कर जांच करने पर अवैध खनन की हुई बजरी भरी हुई पाई गई जिनसे पूछने पर कोई स्वीकृत खनन का पट्टा नही होना बताया। अवैध खनन के आरोप में पहलाद पुत्र अमरनाथ जोगी निवासी पालोदा थाना मंडावर तहसील महुवा को गिरफ्तार किया गया अभी पांच दिन पूर्व भी अवैध बजरी खनन के दो ट्रेक्टर ट्राली जप्त किए गए थे। वही 18 अप्रेल 2022 को बड़ौदा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के सामने हुई ढाई लाख की लूट के मामले में गुड्डू गैंग के जीतराम उर्फ जीतू उर्फ जीतो पुत्र खम्मन जाति गुर्जर निवासी धमारी थाना खोह जिला भरतपुर को बापर्दा गिरफ़्तार कर न्यायलय में पेश किया गया। इस मामले में पूर्व में एक आरोपी 17 मई को गिरफ़्तार कर लिया था जो न्यायिक हिरासत में चल रहा है

विश्व प्रकृति संरक्षण हरियाली अमावस दिवस पर

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद थांदला ने प्रकल्प स्टूडेंट फॉर डेवलपमेंट अभियान के निमित्त ग्राम पंचायत देविगढ़ वृक्षारोपण के कार्यक्रम में प्रताप कटारा जिला संयोजक झाबुआ ने बताया कि बालक उत्कृष्ट स्कूल थांदला के छात्र व कन्या स्कूल की छात्राएं, शिक्षक व एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने मिलकर 600, पौधे रोपण देवीगढ़ स्वंभू माता मंदिर परिसर पहाड़ी पर किए साथ ही पौधों को बडा करने का संकल्प भी लिया । विद्यार्थी, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी सामाजिक धार्मिक वृक्ष प्रेमियों बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है।

विनोद शर्मा विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ के ब्लॉक अध्यक्ष किये मनोनीत

मरूधर हिन्द

कठूमर । दिनेश लेखी। उपखंड क्षेत्र के मसारी गांव निवासी विनोद शर्मा को विप्र फाउंडेशन का कठूमर ब्लॉक का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। संगठन महामंत्री रमाकांत शर्मा ने बताया है कि विप्र फाउंडेशन जॉन फर्स्ट के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कर्नल व युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पवन शर्मा की अनुशंसा तथा पीयूष पंडित जाडला के अनुमोदन पर विनोद शर्मा को युवा प्रकोष्ठ अलवर जिले के कठूमर ब्लॉक का ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किया जाता है । इनके मनोयन समाज में अनुभव और समाज के प्रति समर्पण को दृष्टिगत रखते हुए विश्वास के साथ सक्रिय योगदान से संस्था उन्नति की ओर उन्मुख होगी। इनके मनोनीत होने से क्षेत्र में खुशी की लहर है। तथा युवा साथियों ने मिठाई खिलाकर विनोद शर्मा का स्वागत सम्मान किया।

प्रचंड बहुमत के साथ राजस्थान में खिलेगा कमल - शकील खान

मरुधर हिंद /आमिर खान कामां

कामां- भाजपा नेता शकील खान कामां ने आज विधानसभा क्षेत्र के गांव नीमला, मांची, कस्वां कैंथवाड़ा, धीमरी और कस्वां पहाड़ी का दौरा किया। दौरे के दौरान भाजपा नेता शकील खान का गांववासियों ने माला-साफा पहनाकर भाजपा नेता का स्वागत किया। दौरे के दौरान ग्रामीणों को संबोधित करते हुए शकील खान ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनावों में पूरे राजस्थान में प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा का कमल खिलाना है। जिससे राजस्थान विकास की नई ऊंचाइयों को छू सके। भाजपा नेता शकील खान के निजी सचिव कृष्णा पमार ने बताया कि जनसम्पर्क के दौरान लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला भाजपा नेता के साथ जनता का इतना लगाव देखकर प्रतीत हो रहा है जैसे कामां की जनता ने मन बना लिया हो कि इस बार कामां विधानसभा क्षेत्र में कमल खिलाना है। दौरे के बाद शकील खान ने व्यापार महासंघ के नव निर्वाचित अध्यक्ष कमल अरोड़ा के उनके निजी कार्यालय पर जाकर साफा बांधकर उनका सम्मान किया इस मौके पर भाजपा नेता शकील खान कामां के निजी सचिव कृष्णा पमार, एडवोकेट आरिफ खान धीमरी, जय, दीपेश और सैकड़ों भाजपा कार्यकर्त्ता मौजूद रहें।

खंडेलवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम

मरूधर हिन्द

भरतपुर । दिनेश लेखी। खंडेलवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय जघीना रोड भरतपुर के प्रांगण में बुधवार को वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय के संयोजक योगेंद्र कुमार खंडेलवाल ने बताया कि महाविद्यालय प्रांगण में फल एवं फूलों के पौधे के अलावा छायादार पौधों का वृक्षारोपण किया गया। जिसमें कटहल,आम,आडू, नींबू, मौसमी, संतरा, किन्नू,नीम, शीशम, रुद्राक्ष के पौधों का वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के संयोजक योगेंद्र कुमार खंडेलवाल द्वारा पर्यावरण की महत्ता पर प्रकाश डाला गया तथा सभी को अपने आसपास अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मधु खंडेलवाल द्वारा भी सभी को पर्यावरण शुद्ध बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के व्याख्याता विशाल सिंह, साधना सिंह, देवेंद्र कुमार शर्मा, मनोज कुमार,देवेन्द्रसिंह,गिरीश कुमार आदि उपस्थित रहे।

सुरेश ज्ञानपुरिया को भाजपा ओबीसी युवा मोर्चा जिला मंत्री नियुक्त किया गया

मरुधर हिन्द/रमाकान्त शर्मा

बानसूर उपखंड के गांव ज्ञानपुरा निवासी सुरेश ज्ञानपुरिया को भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना व भाजपा जिलाध्यक्ष बलवान सिंह यादव की अनुशंसा पर भाजपा ओबीसी मोर्चा अलवर उत्तर जिलाध्यक्ष जलेसिंह रावत ने जिला मंत्री नियुक्त किया। इस अवसर पर बानसूर कस्बे में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मिठाई बांटकर खुशियां मनाई।

हरियाली अमावस्या पर्व पर कागदी पिक अप वियर पर एकत्र होकर बड़े हर्ष उल्लास हरियाली अमावस्या पर्व को मनाया

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। विश्व हिंदू परिषद बांसवाड़ा की मातृशक्ति, दुर्गा वाहिनी की बहनों द्वारा हरियाली अमावस्या पर्व पर कागदी पिक अप वियर पर एकत्र होकर बड़े हर्ष उल्लास हरियाली अमावस्या पर्व को मनाया गया है। बहनों द्वारा सावन के झूले झूले झूले गए तथा सावन के गीत गाकर नृत्य किया साथ ही बहनों द्वारा भजन कीर्तन भी किया गया इसके उपरांत बहनों द्वारा प्रसादी ग्रहण की गई। सभी बहनों द्वारा सावन के महीने में कम से कम एक एक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया। विश्व हिंदू परिषद बांसवाड़ा के जिला प्रचार व प्रसार प्रमुख तरुण कुमार अडीचवाल ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में दुर्गा वाहिनी जिला संयोजिका साक्षी दक, मातृ शक्ति जिला सत्संग प्रमुख मिथलेश कौशिक ,मातृ शक्ति नगर संयोजिका नैना जैन, बाल संस्कार साधना देवड़ा ,मंजू शुक्ला ,मीनाक्षी ,भावना, सायमिनी जोशी ,राजेश्वरी चौधरी, उषा परमार, सुनीता कौशिक, शीतल महेश्वरी ,सोनिया राठौर, प्रतिभा जैन ,वंदना मेहता, अंजना आदि बहनों ने भाग लिया। ये जानकारी तरुण कुमार अडीचवाल जिला प्रचार व प्रसार प्रमुख विश्व हिंदू परिषद बांसवाड़ा ने दी।

आध्यात्मिक चिंतन के साथ जिस प्रकार से भजन कीर्तन कर रही है

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

बांसवाड़ा। विप्र परिवार की 5 वर्ष की बच्ची जोकि इंदौर के महु में पढ़ाई करती है। नाम बेटी का अनिया है। पिता का नाम कैलाश जी शर्मा और माता का नाम गरिमा शर्मा की पुत्री राजस्थान के चन्द्र प्रकाश उपाध्याय की पुत्री गरिमा (रानू) की पुत्री आनिया शर्मा छोटी सरवा एक नन्ही बच्ची जिसकी खेलने की उम्र है। उस उम्र में वह आध्यात्मिक चिंतन के साथ जिस प्रकार से भजन कीर्तन कर रही है। यह सीखने वाली बात है।

दखल

अवैध खनन पर लगाम जरूरी

एनजीटी ने गुरुग्राम, फरीदाबाद और मेवात क्षेत्र के 548 वर्ग किलोमीटर में खनन को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया था। अरावली की हरियाली लौटाने की दृष्टि से न्यायाधिकरण ने बड़े पैमाने पर पेड़ लगाने को कहा था और साथ ही क्षेत्र में कचरा फेंकने पर रोक भी लगा दी थी। लेकिन सरकार की लापरवाही और खनन माफिया के दबदबे से ये दोनों ही काम नहीं हो पाए और अवैध खनन आज भी जारी है।

देश के ज्यादातर राज्यों में अवैध उत्खनन का धंधा जोरों पर है। इसमें लगे माफिया इतने ताकतवर होते जा रहे हैं कि बड़े अधिकारियों की हत्या करने में तक में नहीं हिचकिचाते। शायद ही कोई ऐसा साल गुजरता हो जब ऐसे मामलों में पुलिस और प्रशासन को लोगों पर हमले और उन्हें बेदर्दी से मार डालने की घटनाएं सामने न आती हों। ताजा उदाहरण हरियाणा के नूंह में एक पुलिस उपाधीक्षक की डंपर से कुचल कर की गई हत्या है। कानून के शासन को यह चुनौती अरावली की उन पर्वत शृंखलाओं में मिल रही है, जो हरियाणा राज्य के साथ दिल्ली और इससे सटे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आती हैं। लंबे समय से सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में इस अवैध उत्खनन पर नजर रखी जा रही है। इसके बावजूद दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत शृंखला को अस्तित्व बचाना मुश्किल हो रहा है।

शीर्ष न्यायालय के प्रतिबंध के बावजूद पिछले आठ साल में खनन माफिया ने चार सौ मीटर व्यास और साढ़े तीन सौ मीटर ऊंचे 31 पहाड़ों को जमींदोज कर डाला। पहाड़ नूंह के तावडू कस्बे में पंचगांव और चिला गांव में फैले थे। यहां से निकाले गए पत्थर की खपत हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली में भवन और सड़क निर्माण में होती है। गुरुग्राम को आधुनिक शहर बनाने दस हजार एकड़ प्राकृतिक संरक्षण क्षेत्र को नेस्तनाबूद कर दिया गया। याद किया जाना चाहिए कि अवैध खनन को लेकर दस साल पहले भी मध्यप्रदेश के मुरैना में एक आईपीएस अधिकारी की ट्रैक्टर से कुचल कर हत्या कर दी गई थी। किसी तरह यह अवैध खनन रुके, इस पवित्र उद्देश्य को लेकर राजस्थान के भरतपुर में साधु-संतों का एक समूह पिछले डेढ़ साल से आंदोलन कर रहा है। इतने दिनों में भी कोई सुनवाई नहीं होने पर हाल में एक संत ने आत्मदाह तक कर लिया।

ऐसा भी नहीं कि अवैध खनन केवल अरावली की पहाड़ियों में चल रहा है। राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण से खनन माफिया की जड़े देशभर में गहरी होती जा रही हैं। विडंबना तो यह कि इस पर अंकुश की बजाय ऐसे नीतिगत फैसले लिए जा रहे हैं, जिससे वैध-अवैध उत्खनन का दायरा बढ़ता रहे। मुश्किल यह है कि प्राकृतिक संपदाओं के अधिकतम दोहन को आधुनिक एवं आर्थिक विकास का नीतिगत आधार बना लिया गया है। लेकिन भारत में यह संकट दूसरे देशों के मुकाबले कहीं ज्यादा गंभीर रूप ले चुका है। प्राकृतिक संसाधनों का जिस बेरहमी से दोहन जारी है, उस परिप्रेक्ष्य में मौजूदा विकास की निरंतरता तो बनी नहीं रह सकती, बल्कि दीर्घकालिक दृष्टि से देंखे तो विकास की यह आवधारणा उस बहुसंख्यक आबादी के लिए जीने का भयावह संकट खड़ा कर सकती है, जिसकी रोजी-रोटी की निर्भरता ही प्रकृति पर अवलंबित है। इसी खतरे को भांपते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने 2002 में अरावली पर्वत शृंखलाओं से उत्खनन पर प्रतिबंधित लगा दिया था। लेकिन पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से इस पर अमल में लापरवाही बरती जा रही है।

नतीजतन राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) ने एक बार फिर इन सबसे पुरानी पर्वत शृंखलाओं को बचाने के लिए दिल्ली से सटे गुरुग्राम के पूरे अरावली क्षेत्र में सड़क निर्माण और पेड़ों के काटने पर रोक लगा दी थी। इस फैसले से यह संदेश गया था कि पर्यावरण सुरक्षा के लिए कड़े से कड़े कदम उठाए जा सकते हैं। लेकिन नूंह की घटना बता रही है कि अवैध खनन का कारोबार बदस्तूर जारी रहा। सवाल है कि आखिर कौन है इसका जिम्मेदार? आज सीमेंट, कंक्रीट व लोहे की संरचनाओं से जुड़ा आधुनिक विकास हो अथवा कंप्यूटर व संचार क्रांति से संबंधित प्रौद्योगिक विकास, सबकी निर्भरता प्राकृतिक संपदा पर ही है। इस विकास की बुनियाद जल, जंगल और जमीन पर तो टिकी है ही, खनिज, जीवाश्म ईंधन, रेडियोधर्मी और तरल पदार्थ भी विकास के अपरिहार्य पहलू बन चुके हैं। हालांकि ये खनिज संपदाएं अब अकूत नहीं रहीं। बेशुमार दोहन से इनके भंडार भी तेजी से घट रहे हैं। लिहाजा प्रकृति के समक्ष पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन का संकट गहराने के साथ बड़ी आबादी के जीने का अधिकार भी खतरे में पड़ता जा रहा है। क्योंकि प्रकृति के खजाने लूट लिए जाएंगे तो जीने के अधिकार के प्रावधान का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा।

एनजीटी ने गुरुग्राम, फरीदाबाद व मेवात क्षेत्र के 548 वर्ग किमी में खनन को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया था। अरावली की हरियाली लौटाने की दृष्टि से न्यायाधिकरण ने बड़े पैमाने पर पेड़ लगाने को कहा था और साथ ही क्षेत्र में कचरा फेंकने पर रोक भी लगा दी थी। लेकिन सरकार की लापरवाही और खनन माफिया के दबदबे से ये दोनों ही काम नहीं हो पाए और अवैध खनन आज भी जारी है। गौरतलब है कि अरावली की पहाड़ियां दुनिया की प्राचीनतम पर्वत शृंखलाओं में से हैं। लगभग आठ सौ किलोमीटर के दायरे में फैली ये पहाड़ियां गुजरात से शुरू होकर राजस्थान, हरियाणा होते हुए दिल्ली तक फैली हैं। मानव समुदाय के लिए इन पहाड़ियों का कुदरती महत्व है। इनकी ओट ही पश्चिमी रेगिस्तान को फैलने से रोके हुए है, वरना हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश की जो उपजाऊ भूमि है, उसे रेगिस्तान में तब्दील होने में समय नहीं लगेगा।

अवैध खनन सिर्फ अरावली तक सीमित नहीं है। दक्षिण भारत के पश्चिमी घाट में भी उत्खनन की जारी रहने से वन क्षेत्रों और नदियों की गहराई पर असर पड़ा है। पश्चिम के ये वन प्रांत दुर्लभ वनस्पतियों और जैव विविधता के अनुपम उदाहरण हैं। यहां के पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने के लिए भी सर्वोच्च न्यायलय को पहल करनी पड़ी थी। मध्य क्षेत्र में भी प्राकृतिक संपदाओं के बेहताशा दोहन से सतपुड़ा और विंध्याचल की पर्वत श्रेणियां और कई नदियों का वजूद संकट में है। छत्तीसगढ़ में कच्चे अयस्क के अति दोहन ने शंखिनी नदी को प्रदूषित कर डाला है। मध्यप्रदेश के मालवा क्षेत्र में लगे इस्पात संयंत्र रोजाना करीब साठ टन दूषित मलवा चंबल और चामला नदियों में बहा कर उन्हें दूषित बना रहे हैं। बड़े पैमाने पर पारिस्थितिकी तंत्र को गड़बड़ाने वाली रेणुका बांध परियोजना को रद्द करने की भी मांग उठ रही है। इस परियोजना को अस्तित्व में लाने का मुख्य मकसद दिल्लीवासियों को अतिरिक्त 27 करोड़ गैलन पानी प्रतिदिन मुहैया कराना है।

वर्ष 1994 की इस परियोजना पर पांच सहयोगी प्रदेश राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल और उत्तर प्रदेश समझौता करने एकजुट हुए थे। लेकिन राजस्थान ने इस समझौते पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था। ऐसी स्थिति में पारियोजना रद्द मानी जानी चाहिए। लेकिन ऐसा है नहीं। विषेशज्ञों का मानना है कि यह परियोजना जारी रहती है तो निचले हिमालय क्षेत्र में दो हजार हेक्टेयर में फैले जंगल और कृषि क्षेत्र डूब जाएंगे। संकट इसलिए गहराता जा रहा है कि हम विकास का ऐसा आदर्श और संतुलित रूप तैयार करने में नाकाम रहे हैं जिसमें विकास की गतिशीलता भी बनी रहे और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को भी धक्का न पहुंचे। आधुनिक विकास का आधार प्राकृतिक संसाधन हैं, इसलिए केंद्र और राज्य सरकारें ऐसे नीतिगत उपाय करती हैं, जिससे हर प्रकार के निर्माण कार्यों में कोई अड़चन न आए। खासतौर से भवन और सड़कों के निर्माण में सबसे ज्यादा इस्तेमाल खनन साम्रगी का होता है। इस्पात की भी इसमें बड़ी खपत होती है।

प्रमोद भार्गव
(वरिष्ठ पत्रकार)

राज-विचार

पीओके पर पाक को कड़ा संदेश

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पीओके को लेकर कहा कि यह हिस्सा भारत का है और रहेगा। कश्मीर के मुद्दे पर भारत की आक्रामकता सही दिशा में है। जब तक भारत इस मुद्दे पर पूरी दुनिया में पाक को नहीं घेरेगा, तब तक वह सुधरने वाला नहीं है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने एक बार फिर जम्मू से हुंकार भरते हुए पाकिस्तान को दो टूक संदेश दिया है कि गुलाम जम्मू-कश्मीर भारत का हिस्सा था और रहेगा। पूरा देश इस तथ्य पर एकमत है, संसद में इस आशय का प्रस्ताव भी पारित हो चुका है, बावजूद उस पर पाकिस्तान का अवैध कब्जा है। सिंह ने आगे कहा कि भगवान शिव का हिमस्वरूप हमारे पास है और मां शारदा पीठ आज भी नियंत्रण रेखा के उस पार हैं, ऐसा क्यों है? राजनाथ ने विशवास दिलाया कि आज नहीं तो कल हमारी यह मन्नत भी पूरी होगी। कश्मीर के मुद्दे पर रक्षामंत्री ने जिस तरह का रुख दिखाया है, वैसी आक्रामकता जरूरी है, क्योंकि पाक जब-तब वैश्विक मंचों पर कश्मीर कार्ड खेलने में लगा है। इसलिए पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब देना जरूरी है। भारत ने गुलाम कश्मीर पर अवैध कब्जा जमाए बैठे पाकिस्तान को कई मर्तबा इसे खाली करने की चेतावनी दी है। किंतु उसके कानों में जूं तक नहीं रेंगती।

मोदी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर साबित किया है कि पाक अधिकृत कश्मीर न केवल भारत का है, बल्कि वहां के लोग गुलाम कश्मीर को भारत में शामिल करने के पक्ष में भी आ रहे हैं। पाक अधिकृत कश्मीर में पाक सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन लगातार होते रहते हैं। इसकी वजह वहां रह रहे नागरिकों का शोषण और दमन है। इस दमन की तस्वीरें वीडियो से सामने आती रही हैं। पीओके, गिलगित-बाल्टिस्तान और बलूचिस्तान पाक के लिए बहिष्कृत क्षेत्र हैं। पीओके की जमीन का इस्तेमाल वह जहां भारत के खिलाफ शिविर लगाकर गरीब एवं लाचार मुस्लिम किशोरों को आतंकवादी बनाने का प्रशिक्षण दे रहा है, वहीं बलूचिस्तान की भूमि से खनिज तथा तेल का दोहन कर अपनी आर्थिक स्थिति बहाल किए हुए हैं। नतीजतन यहां खेती-किसानी, उद्योग-धंधे, शिक्षा-रोजगार और स्वास्थ्य-सुविधाएं तथा पर्यटन सब चौपट है।

दरअसल कशमीर की समस्या आज की देन नहीं हैं। 1948 में कांग्रेस और नेशनल क्रांफ्रेंस की कारगुजारियों के चलते यहां बदहाली आज तक कायम है। कश्मीर के ये हालात इसलिए भी उत्पन्न हुए, क्योंकि यहां शुरुआत में लोकतांत्रिक प्रणाली को नहीं अपनाया गया। शेख अब्दुल्ला को राज्य का बड़ा नेता होने के कारण सीधे प्रधानमंत्री बना दिया गया। यदि स्थानीय नागरिकों को निर्वाचन प्रक्रिया के जरिए राज्य का प्रधानमंत्री चुनने का मौका दिया होता तो लोगों का लोकतंत्र पर भरोसा पुख्ता होता। हालांकि अब धारा-370 एवं 35-ए हटने के बाद कश्मीर के हालात सामान्य हो रहे हैं, इसी का परिणाम है कि इस बार घाटी में सात लाख से भी ज्यादा पर्यटक पहुंचे हैं, जो जनता की आर्थिक बहाली का कारण बन रहे हैं। कश्मीर में दिन-प्रतिदिन जिस तरह से हालात सुधर रहे हैं, उससे लगता है कि हमें पीआके जल्द मिल सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि पीओके में रहने वाले लोग पाक के खिलाफ मोर्चा बुलंद करेंगे।

विचाराधीन कैदी और लोकतंत्र

भारत के प्रधान न्यायाधीश एनवी रमना और सर्वोच्च न्यायालय ने जेलों में पड़े विचाराधीन कैदियों की ओर देश का ध्यान खींचा है तथा एक ऐसे मुद्दे को सामने रखा है, जिससे लोकतंत्र कमजोर होता है, नागरिकों की आजादी छिनती है और अधिकतर जांचों में जमानत देने की जगह जेल भेजना कायदा बनता जा रहा है। प्रधान न्यायाधीश ने एक संबोधन में रेखांकित किया कि हमारे देश में जेलों में बंद 6.10 लाख नागरिकों में 80 फीसदी विचाराधीन कैदी हैं। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था में प्रक्रिया ही दंड बन गई है। मनमाने ढंग से गिरफ्तारियों से लेकर जमानत मिलने में मुश्किलों तक की इस प्रक्रिया में लंबे समय तक जेलों में बंद लोगों के इस मामले पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कैदी ब्लैक बॉक्स की तरह हैं। वे ऐसे नागरिक हैं, जिन्हें अनदेखा और अनसुना कर दिया जाता है। प्रधान न्यायाधीश ने ऐसे मुद्दे को उठाया है, जिस पर शायद ही कभी चर्चा होती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह कोई हाल में आई अस्थायी गिरावट नहीं है, बल्कि भारतीय व्यवस्था की स्थायी विशेषता बन चुकी है।

यह पहली बार नहीं है कि जेलों में बंद आरोपियों के प्रति चिंता व्यक्त की गई हो। 2010 में राष्ट्रीय विधिक अभियान के तहत भी विचाराधीन कैदियों की संख्या कम करने का बीड़ा उठाया गया था। पर धरातल पर स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है। सजा दिलाने लंबी जांच की बजाय तुरंत हिरासत में लेने के रवैये से भी न्यायिक व्यवस्था पर दबाव बढ़ता है क्योंकि जमानत की अर्जियों की तादाद बहुत अधिक है।

सजा दिलाने लंबी जांच की बजाय तुरंत हिरासत में लेने के रवैये से भी न्यायिक व्यवस्था पर दबाव बढ़ता है क्योंकि जमानत की अर्जियों की तादाद बहुत अधिक है। चूंकि हिरासत में लेना आम बात है, तो अग्रिम जमानत के लिए भी बहुत सारे लोग अदालत पहुंचते हैं। इनसे बड़ी अदालतों में बोझ बढ़ता जाता है। इन सबसे ऐसी व्यवस्थागत समस्या पैदा हो गई है, जिसका समाधान जजों की संख्या बढ़ाकर नहीं किया जा सकता है। हम जानते हैं कि हमारे यहां अभियुक्तों को सजा देने की दर बहुत ही कम है। ऐसे में ठोस जांच दरकिनार कर दी जाती है और मुकदमे से पहले लंबे समय तक जेल में रखना ही सजा बना दिया जाता है। इससे न्याय व्यवस्था का आधारभूत सिद्धांत, जिसमें दोष सिद्ध होने तक अभियुक्त को निर्दोष माना जाता है, ही खारिज हो जाता है।

इस माह की 11 तारीख को अपने 85 पन्ने के आदेश में न्यायाधीश एसके कौल व एमएम सुंदेश ने समस्या के व्यवस्थागत प्रकृति की ओर संकेत किया है-अदालतें सोचती हैं कि चूंकि सजा होने की संभावना बहुत ही कम है, तो जमानत की अर्जियों पर कड़ा रुख अपनाना चाहिए। हम जमानत पर विचार करते हुए बहुत सी बातों को नहीं जोड़ सकते, क्योंकि उसका दंड से लेना-देना नहीं है। अगर कोई लंबे समय तक जेल में रहने के बाद बरी हो जाता है, तो वह बेहद गंभीर अन्याय है। कामकाज का कोई लेना-देना राजनीति या नेताओं या एजेंडे से नहीं होता। व्यवस्था का हर जगह होना उसका संत्रास है। वह हवा व पानी में घुल-मिल जाता है तथा बहुत से लोगों को जेल में डालकर उनमें से कुछ सबसे कमजोर नागरिकों को भूल जाता है। इससे कैसे व्यवस्था की रीढ़ टूटती है, हम उसे आसानी से या ठीक से नहीं समझते।

एक तो यह बिना मुकदमे के सजा दे देता है, जिसके लिए सबूतों का संज्ञान लिया जाना चाहिए और हर तरह से परखने के बाद ही अभियुक्त को दोषी ठहराना चाहिए। राज्य ने एकदम बुनियादी स्तर पर और रोजमर्रा के काम में ऐसा कर न्यायिक व्यवस्था को खत्म भले न किया हो, पर उसे अप्रासंगिक जरूर कर दिया है। यह सब न्यायपालिका के सहयोग से ही हुआ है, जहां लगातार हिरासत में रखने के फैसले दिये जाते हैं और जमानत पाना मुश्किल होता है क्योंकि मामले के बारे में अक्सर न तो ठीक से विचार किया जाता है और कई बार तो उसके बारे में पूछा भी नहीं जाता। अगर हिरासत में रखने की अनुमति चलन बन जाए, तो पुलिस जजों को लेकर निश्चिंत हो जाती है और इसका सीधा व तुरंत असर जांच की गुणवत्ता पर पड़ता है। न्यायाधीश कौल और सुंदेश ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2014 में दिए गए एक निर्णय को उद्धृत करते हुए लिखा कि हमारे इस फैसले का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पुलिसकर्मी अभियुक्त को अनावश्यक रूप से गिरफ्तार नहीं करें और मजिस्ट्रेट लापरवाही से एवं यांत्रिक तौर से उसे पुलिस हिरासत में रखने का आदेश न पारित करें। वे आगे लिखते हैं, हिरासत में रखने का आदेश देने का अधिकार गंभीर दायित्व है। इससे नागरिकों की स्वतंत्रता पर असर पड़ता है तथा इस अधिकार का प्रयोग बहुत सावधानी से किया जाना चाहिए।

हमारा अनुभव हमें बताता है कि इस अधिकार का प्रयोग उस गंभीरता से नहीं किया जा रहा है, जैसा कि होना चाहिए। बहुत सारे मामलों में हिरासत में रखने का आदेश नियमित, लापरवाही भरा और बिना सोचे दिया जाता है। असल में, हिरासत का आदेश इतना सामान्य हो गया है कि पुलिस अधिकारी समुचित या पूरा विवरण भी पेश करने की जहमत नहीं उठाते। कभी-कभी इससे जांच एजेंसियों में घमंड भी भर जाता है कि कुछ भी चल सकता है। इससे जांच के शुरुआती चरण में ही मामला भटक जाता है, जबकि इस अहम मोड़ पर बहुत सावधानी बरतने और समयबद्ध होकर काम करने की जरूरत होती है। ऐसा होने से हिरासत में होने वाली हिंसा के मामले से भी पुलिस का बचाव हो जाता है। कानूनी प्रावधानों के बावजूद यह समस्या भी गंभीर होती जा रही है।

इसलिए यह कोई अचानक नहीं हुआ है कि सर्वोच्च न्यायालय ने अब औपचारिक रूप से केंद्र सरकार से जमानत पर एक कानून बनाने को कहा है। न्यायाधीश कौल और सुंदरेश ने रेखांकित किया है, हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह ब्रिटेन जैसे अन्य देशों में बने कानूनों की तरह जमानत देने के बारे में विशेष कानून लाने पर विचार करे। निश्चित ही उल्लेखनीय पहल होगी। वैधानिक व्यवस्था में विशेष दिशा-निर्देशों को रखा जा सकता है, लेकिन बड़ी समस्या औपनिवेशिक मानसिकता की है, जो अभी भी भारतीय नौकरशाही पर हावी है। इसके साथ ही अच्छा करने वाले लोगों के सहयोग के लिए निवेश की कमी तथा व्यवस्था के साथ हेर-फेर करने वालों को सजा देने का अभाव जैसी समस्याएं भी हैं। यहां पर अदालतों को हस्तक्षेप करना चाहिए। शुरू से ही मामलों की निगरानी होनी चाहिए और जांच एजेंसियों की मांग की समीक्षा होनी चाहिए।

ऐसा करने से हमारी जांच व्यवस्था की कई खामियां दूर हो सकेंगी और एजेंसियां अधिक उत्तरदायी होंगी। साथ ही, इससे पुलिस सतर्क रहेगी और जेलों में भीड़ कम होगी तथा पूरी व्यवस्था के प्रभाव में बेहतर होगी। उच्चतम न्यायालय ने साल 2014 में व्यवस्था दी थी कि उन विचाराधीन आरोपियों को तुरंत जमानत पर रिहा किया जाए जिन्होंने अपने ऊपर लगे अभियोग की संभावित अधिकतम सजा का आधा समय बतौर आरोपी जेल में व्यतीत कर लिया है। न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया है कि जिला न्यायिक सेवा प्राधिकरण से संबंधित न्यायिक अधिकारी अपने अधिकार-क्षेत्र में प्रत्येक कारावास पर जाकर इस प्रकार के कैदियों की रिहाई के लिए आवश्यक प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। इन आदेशों के बाद लंबी अवधि से जेलों में बंद विचाराधीन कैदी रिहा हो सकेंगे।

जगदीश रत्नानी
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

अब भारत कमजोर देश नहीं बल्कि शक्तिशाली राष्ट्र है। उसकी सीमाओं का अतिक्रमण करने का कोई साहस नहीं दिखा सकता। यदि युद्ध हुआ तो भारत की जीत होगी।

राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

आतंकवाद शांति और विकास के साझा लक्ष्य का बड़ा दुश्मन है। पाकिस्तान आतंकवाद को पीओके में पाल रहा है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय इस बुराई के खिलाफ एकजुट हो।

एस जयशंकर, विदेश मंत्री

सत्यार्थ

विश्वास होना जरूरी

राजा ययाति और देवयानी पति-पत्नी थे। देवयानी दैत्य गुरु शुक्राचार्य की बेटी थी। जब इनका विवाह हुआ था दैत्यों की राजकुमारी शर्मिष्ठा भी देवयानी के साथ दासी के रूप में गई थी। दरअसल शर्मिष्ठा देवयानी से एक शर्त हार गई थी और इस कारण उसे देवयानी की दासी बनना पड़ा था। उस समय शुक्राचार्य ने ययाति से एक वचन लिया था कि वह कभी भी देवयानी के अलावा किसी अन्य स्त्री से रिश्ता नहीं रखेगा। ययाति ने भी शुक्राचार्य को ये वचन दे दिया था। कुछ समय बाद देवयानी गर्भवती हो गई।

दूसरी ओर शर्मिष्ठा एक दासी के रूप में ययाति के महल के पीछे छोटी सी कुटिया में रह रही थी। एक दिन ययाति शर्मिष्ठा को देखकर उसकी ओर मोहित हो गए और उन्होंने शर्मिष्ठा से संबंध बना लिए। राजा ययाति शुक्राचार्य को दिया हुआ वचन भी भूल गए थे। बाद में शर्मिष्ठा और ययाति की बात जब देवयानी को मालूम हुई तो वह अपने पिता के घर पहुंच गई और पूरी बात बता दी। शुक्राचार्य इस बात से बहुत क्रोधित हो गए। उन्होंने ययाति को शाप दे दिया कि वे तुरंत बूढ़े हो जाएंगे। शाप के असर से ययाति बूढ़े हो गए। इस तरह देवयानी और ययाति का वैवाहिक रिश्ता बर्बादी की कगार पर पहुंच गया था। इस कथा की सीख यही है कि पति-पत्नी एक-दूसरे के साथ तालमेल बनाए रखें, साथ ही कभी भी एक-दूसरे का भरोसा न तोड़ें। वैवाहिक जीवन में भरोसा टूटता है तो रिश्ता टूटने में ज्यादा समय नहीं लगता है। वैवाहिक जीवन में पति-पत्नी के बीच आपसी तालमेल के साथ ही विश्वास न हो तो रिश्ता टूटने में ज्यादा समय नहीं लगता है। श्रीमद्भागवत ग्रंथ में राजा ययाति और देवयानी की कथा से ये बात समझ सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि पति या पत्नी दोनों एक-दूसरे से कुछ न छिपाएं। अगर ऐसा होगा तो जीवन में तनाव बढ़ेगा।

मुकेश कुमार

अर्जुन कपूर ने बेची 16 करोड़ की प्रॉपर्टी

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर ने हाल ही में अपने बांद्रा वाले फ्लैट को 16 करोड़ में बेच दिया है। उन्होंने पिछले साल ही अपनी गर्लफ्रेंड मलाइका अरोड़ा की बिल्डिंग में इस फ्लैट को 20 करोड़ में खरीदा था। लेकिन अब उन्होंने इसे 4 करोड़ के घाटे में बेच दिया है। अर्जुन का ये फ्लैट 4क्काच्च है, जो 4364 स्कायर फीट में बना हुआ है। सेल डॉक्यूमेंट को 19 मई को रजिस्टर कराया गया था। फ्लैट के रजिस्ट्रेशन के लिए लगभग 96 लाख रुपए की स्टांप ड्यूटी का पेमेंट किया गया है। वहीं अर्जुन की बहन अंशुला कपूर ने सेल्स डाक्यूमेंट पर साइन किया है। यह फ्लैट बांद्रा वेस्ट स्थित 81 औरेट बिल्डिंग में था। अर्जुन का ये फ्लैट उनकी प्राइमरी लोकेशन नहीं थी। वो इस समय जुहू स्थित रहेजा ऑर्चिड बिल्डिंग में रह रहे हैं। इसके अलावा इस बिल्डिंग में कई सेलेब्स भी रहते हैं, जैसे सोनाक्षी सिन्हा, करण कुंद्रा, आदि। करण कुंद्रा ने हाल ही में इस बिल्डिंग की 12वें फ्लोर पर 14 करोड़ रुपए में फ्लैट खरीदा है। उन्हें भी सबकी तरह 3 कार पार्क करने का एक्सेस मिला है। वहीं सोनाक्षी ने 2020 में यहां 16वें फ्लोर पर घर खरीदा था।

'शमशेरा' के डायरेक्टर ने संजय दत्त को बताया सुपरमैन

बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'शमशेरा' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में फिल्म के डायरेक्टर करण मल्होत्रा ने एक इंटरव्यू के दौरान इस फिल्म में संजय के रोल के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि जब फिल्म की शूटिंग हो रही थी, उस समय संजय कैंसर से जंग लड़ रहे थे। लेकिन पूरी शूटिंग के दौरान उन्होंने कभी जाहिर नहीं होने दिया कि वो किसी परेशानी से गुजर रहे हैं। साथ ही करण ने उन्हें सुपरमैन भी कहा, क्योंकि उन्होंने मुस्कुराते हुए कैंसर से जंग जीती है। करण ने कहा, 'संजय सर को कैंसर होने की खबर हम सभी के लिए एक बड़े शॉक की तरह थी। हमें इस बारे में कोई जानकारी ही नहीं थी। वो ऐसे बात कर रहे थे, ऐसे बिहेव कर रहे थे और ऐसे काम कर रहे थे, जैसे उन्हें कुछ हुआ ही नहीं है। मुझे लगता है कि आज वो जिस मुकाम पर हैं, वो इसी वजह से हैं। उन्होंने इस पर जीत हासिल की है। वो सेट पर सभी के लिए इंस्पिरेशन हैं।' बता दें संजय दत्त को अगस्त 2020 में स्टेज 4 लंग कैंसर का पता चला था।

'द ग्रे मैन' के प्रीमियर में धोती पहनकर पहुंचे धनुष

साउथ सुपरस्टार धनुष इन दिनों अपने हॉलीवुड प्रोजेक्ट 'द ग्रे मैन' के प्रमोशन को लेकर बिजी चल रहे हैं। हाल ही में 'द ग्रे मैन' का प्रीमियर मुंबई में रखा गया। यहां धनुष बिल्कुल ट्रेडिशनल अवतार व्हाइट शर्ट और धोती में नजर आए और इस फिल्म को देखने कई बॉलीवुड और हॉलीवुड स्टार्स पहुंचे। जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में धनुष विक्की कौशल को गले लगाते नजर आए। बता दें कि, इससे पहले फिल्म 'द ग्रे मैन' का प्रीमियर लंदन में रखा गया था। जहां धनुष उनके दोनों बेटे लिंगा और यात्रा के साथ पहुंचे थे।

पुष्पा स्टार अल्लू अर्जुन करेंगे रकुल प्रीत सिंह के यूजिक वीडियो 'माशूका' को साउथ मार्केट्स में प्रेजेंट

जेजस्ट म्यूजिक के पहले पैन इंडिया सिंगल 'माशूका' को हर तरफ पसंद किया जा रहा है। इसके हिंदी वर्जन को सभी पॉप सॉन्ग फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। अब जबकि 'माशूका' हिंदी में रिलीज हो गई है, निर्माता तमिल और तेलुगु बाजार में गाने को रिलीज करने के लिए तैयार हैं। इसके लिए उन्होंने घोषणा की है कि सुपरस्टार अल्लू अर्जुन तमिल और तेलुगु बाजार में माशूका पेश करेंगे। इस बात की अनाउंसमेंट सोशल मीडिया पर करते हुए निर्माताओं ने लिखा, दिन की सबसे एक्साइटिंग खबर आप सभी के साथ साझा कर रहे हैं। यह शेयर करने के लिए बहुत उत्साहित है कि हमारे पास और कोई नहीं बल्कि अल्लू अर्जुन 29 जुलाई को तेलुगु और तमिल में माशूका को लॉन्च कर रहे हैं। गाने में खूबसूरत रकुल प्रीत सिंह को पॉप क्वीन गॉडेस के रूप में पेश किया हैं, जो अपने लेंस के जरिए अपनी विविड, खूबसूरत और बब्ली पॉप वर्ल्ड में ले जाती हैं। रकुल प्रीत सिंह देखने में एक दृष्टि की तरह दिखती हैं, उनकी आभा बहुत शक्तिशाली है और पूरे म्यूजिक वीडियो में उनकी एनर्जी देखने लायक हैं। 'माशूका' का म्यूजिक वीडियो एक बहुत ही अलग पॉप दुनिया का वादा करता है। सेट बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए रंग वाइब्रेंट हैं, जो वीडियो को ऐजी बनाता है। 'माशूका' ' सबसे बोल्ड और अलग गाना है जो बी-टाउन गर्ल-नेक्स्ट-डोर रकुल प्रीत सिंह को सैसी पॉप-क्वीन में बदल देता है। इस गाने को असीस कौर, आदित्य अयंगर और देवाश शर्मा ने गाया हैं।

अदनान सामी का नया गाना अलविदा हुआ रिलीज

फेमस सिंगर अदनान सामी ने बीते दिनों अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'अलविदा' लिख सभी को चौंका दिया था। इसके बाद उन्होंने अपनी सारी पोस्ट डिलीट कर दी थी। हालांकि कुछ दिन बाद अदनान ने बताया कि उनका गाना 'अलविदा' ' रिलीज होने वाला है। अब अदनान सामी का यह नया गाना रिलीज हो गया है। 2 साल के अंतराल के बाद यह उनका पहला गाना है। अलविदा एक वाइब्रेंट ट्रैक है यह गाना दिल टूटे आशिकों के लिए एंथम साबित हो सकता है। बता दें कि अदनान सामी सिंगर के साथ-साथ म्यूजिशियन, म्यूजिक कंपोजर और पियानिस्ट हैं। वे हिन्दी और साउथ मूवीज के लिए इंडियन और वेस्टर्न म्यूजिक बनाते हैं और गाते हैं। अदनान सामी को संगीत की दुनिया में शानदार योगदान देने के लिए पद्मश्री अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है।

एक्ट्रेस को टारगेट कर रहा बॉलीवुड माफिया

एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक लंबा-चौड़ा नोट शेयर किया है। तनुश्री दत्ता ने इस पोस्ट में बताया है कि उन्हें बहुत ज्यादा परेशान और टारगेट किया जा रहा है। इसके अलावा तुनश्री ने यह भी बताया है कि उन्हें बॉलीवुड माफिया, पॉलिटिकल सर्किट और एंटी नेशनल एलिमेंट्स टारगेट कर रह हैं। इतना ही नहीं उन्होंने कहा है कि चाहे कुछ भी हो जाए वे सुसाइड करने वाली नहीं हैं। तनुश्री दत्ता ने अपनी एक फोटो शेयर कर लिखा, 'मुझे परेशान किया जा रहा है और बहुत बुरी तरह से टारगेट बनाया जा रहा है। प्लीज कोई तो कुछ करो। पहले पिछले एक साल में मेरे बॉलीवुड के काम को तहस-नहस कर दिया गया और फिर नौकरानी मेरे पानी में दवाइयां और स्टेरॉइड्स मिलाया करती थी। जिसकी वजह से मुझे हर तरह की हेल्थ प्रॉब्लम होनी शुरू हो गई। इसके बाद जब मैं मई में उज्जैन गई तो मेरी गाड़ी के ब्रेक से दो बार छेड़छाड़ हुई और फिर मेरा ऐक्सिडेंट हुआ था। मैं मरते-मरते बची और 40 दिनों बाद मैं मुंबई लौट आई और नॉर्मल लाइफ और काम में लग गई। अब एक अजीब सा वाकिया मेरी बिल्डिंग में मेरे ही फ्लैट के सामने हुआ।' '

पठान फिल्म की प्रमोशन के लिए शाहरुख खान तैयार

फिल्म पठान के साथ शाहरुख खान एक बार फिर से बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। बॉलीवुड के बादशाह अपनी पठान फिल्म से जबरदस्त वापसी करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। शाहरुख सिद्धार्थ आनंद निर्देशित इस फिल्म में सुपरस्टार दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम के साथ नजर आएंगे। बता दें कि पठान 4 साल के अंतराल के बाद वापसी कर रही है और इसी को देखते हुए शाहरुख खान फिल्म के प्रमोशन का बड़े पैमाने पर प्रचार करने की योजना बना रहे हैं। पठान फिल्म को प्रमोट करने के लिए शाहरुख खान पूरी दुनिया में घूमेंगे। पठान फिल्म के करीबी सूत्र ने बताया कि शाहरुख खान फिल्म के प्रमोशन की बड़ी योजना बना रहे है। एक सूत्र ने इंडिया टूडे को बताया कि शाहरुख खान अपने एक्शन-एंटरटेनर पठान की प्रमोशन के लिए दुनिया भर में यात्रा करने की योजना बना रहे हैं। सुपरस्टार अकेले ही अपने फिल्म का प्रचार करेंगे। फिलहाल, शाहरुख न्यूयॉर्क और लंदन में फिल्म के प्रचार के लिए चर्चा में हैं।

शाहरुख की आने वाली परियोजनाएं

2023 में शाहरुख खान की तीन फिल्में रिलीज होगी। जहां तक पठान का सवाल है, यह फिल्म 25 जनवरी, 2023 को बड़े पर्दे पर आने वाली है। पठान के बाद, शाहरुख निर्देशक एटली की फिल्म जवान में नयनतारा के साथ नजर आएंगे। यह फिल्म 2 जून, 2023 को रिलीज की जाएगी। अपनी आगामी फिल्म के बाद, शाहरुख खान डंकी में तापसी पन्नू के साथ दिखाई देंगे। राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी यह फिल्म 22 दिसंबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।2023 में तीन बड़ी फिल्मों के साथ, शाहरुख खान एक से अधिक तरीकों से अपने फैंस का मनोरंजन करने के लिए तैयार है।

मानवाधिकारों का सम्मान हो, श्रीलंका के लोगों की आकांक्षाओं को सुना जाए: अमेरिकी राजदूत

कोलंबो। अमेरिकी राजदूत जूली चुंग ने बुधवार को नवनिर्वाचित राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की और उनसे कहा कि श्रीलंका की नयी सरकार को सुशासन को अपनाना चाहिए, मानवाधिकारों का सम्मान करना चाहिए और अपने लोगों की आकांक्षाओं को सुनना चाहिए। सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ विक्रमसिंघे की हालिया कार्रवाई की आलोचना करने वाली चुंग ने विक्रमसिंघे से राष्ट्रपति कार्यालय में मुलाकात की।अमेरिकी राजदूत ने ट्वीट कर कहा, ''राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के साथ आज राष्ट्रपति कार्यालय में मुलाकात की। उन्होंने ऐसे समय में पदभार ग्रहण किया है जब श्रीलंका एक 'चौराहे' पर खड़ा है। हमने चर्चा की कि यह (श्रीलंका) आर्थिक और राजनीतिक संकट के इस बिंदु पर कैसे पहुंचा और हम सभी लोगों के लिए उज्जवल भविष्य सुनिश्चित करने के वास्ते किस तरह मिलकर काम कर सकते हैं।'' चुंग ने कहा कि दोनों देश और उनके लोग 70 से अधिक वर्षों से मित्र और भागीदार रहे हैं।

यूरोपीय संघ की स्वास्थ्य आयुक्त ने मंकीपॉक्स से निपटने के वास्ते कार्रवाई तेज करने का आग्रह किया

ब्रसेल्स। स्वास्थ्य के लिए यूरोपीय संघ की आयुक्त ने क्षेत्र की सरकारों से मंकीपॉक्स से निपटने के लिए अपनी कार्रवाई को तेज करने का बुधवार को आग्रह किया। यूरोपीय संघ के 27 देशों के स्वास्थ्य मंत्रियों को भेजे एक पत्र में, यूरोपीय संघ की स्वास्थ्य आयुक्त स्टेला क्यारीकाइड्स ने मंकीपॉक्स से निपटने के वास्ते ''ठोस और समन्वित कार्रवाई'' करने का आह्वान किया। उन्होंने पत्र में कहा है, ''यह आत्मसंतुष्टि का समय नहीं है और हमें इस बीमारी को नियंत्रित करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखना होगा।'' विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पिछले सप्ताह मंकीपॉक्स के प्रकोप को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था। स्टेला ने कहा कि इस स्तर पर क्षेत्र की प्राथमिकताओं में मामलों की पहचान करना और संक्रमण के प्रसार को रोकना शामिल होना चाहिए।अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केन्द्र के अनुसार, मई के बाद से 74 देशों में मंकीपॉक्स के 16,000 से अधिक मामले सामने आए हैं। अब तक, केवल अफ्रीका में मंकीपॉक्स से होने वाली मौतों की सूचना मिली है।

अमेरिकी सांसद प्रमिला को जान से मारने की धमकी देने के संदेह में एक व्यक्ति गिरफ्तार

सिएटल । अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल को जान से मारने की धमकी देने के संदेह में सिएटल के एक व्यक्ति को इस माह की शुरुआत में गिरफ्तार किया है। किंग काउंटी अभियोजन अटार्नी के कार्यालय ने कहा कि पुलिस द्वारा अतिरिक्त सबूत इकट्ठे करने के बाद ब्रेट फोरसेल पर आरोप लगाए गए हैं। देर रात जयपाल के सिएटल स्थित घर के बाहर अश्लील बातें करने और धमकियां देने के बाद फोरसेल को 9 जुलाई को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था। जब अभियोजकों ने कहा कि हेट क्राइम के आरोप के लिए पर्याप्त सबूत नहीं थे, तब फोरसेल को रिहा कर दिया गया। हालांकि मामले में अधिकारियों ने कहा कि जांच जारी रहेगी। अभियोजकों ने कहा कि पुलिस ने बाद में पीछा करने के मामले पर संज्ञान लिया है। 2016 में जयपाल अमेरिकी संसद के लिए चुनी गई पहली भारतीय अमेरिकी महिला बनी थी। अपराधी के बारे में बताते हुए अभियोजकों ने कहा कि फोरसेल एक घातक हथियार से लैस था और जयपाल का पीछा उसने पद के कारण किया था। जानकारी के अनुसार, जयपाल ने देखा कि फोरसेल उनके घर के बाहर उनका नाम लेकर अभद्र बातें कर रहा है। इसके बाद उन्होंने 9 जुलाई को कॉल कर मामले को रिपोर्ट कराया। इस पर कार्रवाई करते हुए सिएटल पुलिस ने रात 11:25 बजे जयपाल के घर के बाहर से फोरसेल को गिरफ्तार किया।

रिपुदमन सिंह मलिक की हत्या के आरोप में कनाडा में दो लोग गिरफ्तार

टोरंटो । रॉयल कनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने रिपुदमन सिंह मलिक की हत्या के आरोप में दो लोगों को ब्रिटिश कोलंबिया के एब्ट्सफोर्ड से गिरफ्तार किया है। मलिक को 1985 के एअर इंडिया कनिष्क विमान आतंकवादी बम धमाके मामले में बरी कर दिया गया था, जिसमें 331 लोगों की जान गई थी। सिख समुदाय से संबंधित मलिक की 15 जुलाई को ब्रिटिश कोलंबिया के सर्रे में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनिष्क विमान बम धमाके से जुड़े मामले में मलिक और सह-आरोपी अजायब सिंह बागरी को 2005 में आरोपमुक्त कर दिया गया था। रॉयल कनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने सर्रे में आयोजित एक प्रेस वार्ता में बताया कि ब्रिटिश कोलंबिया के एब्ट्सफोर्ड से 21 वर्षीय टैनर फॉक्स और न्यू वेस्टमिंस्टर के वैंकूवर उपनगर से 23 वर्षीय जोस लोपेज को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इस मामले में ज्यादा जानकारी नहीं दी, पुलिस ने केवल इतना बताया कि मलिक की हत्या के दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधिकारी मनदीप मूकर ने कहा जांच और पुलिस की कुशलता से, इस हत्याकांड के संबंध में हमें दोनों संदिग्धों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने में सफलता मिली। पुलिस के पास इन दोनों के बारे में पहले से जानकारी थी। मलिक के बेटे जसप्रीत सिंह मलिक ने कहा कि उनके परिवार ने इस खबर पर मिली-जुली भावनाएं व्यक्त की हैं। जसप्रीत ने कहा जांच का नतीजा चाहे कुछ भी हो, हमने एक महान व्यक्ति खो दिया है। जसप्रीत ने कहा कि पुलिस ने परिवार को कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी है और वह इस विषय पर अटकलें नहीं लगाना चाहते कि उनके पिता को क्यों मारा गया।

जंग के बीच एक मैग्जीन के लिए जेलेंस्की ने पत्नी संग कराया फोटोशूट, लोगों ने गैरजिम्मेदाराना बताया

कीव । युद्धग्रस्त यूक्रेन बीते 5 माह से जंग लड़ रहा है। रूस के साथ उसकी सेनाएं लड़ रही हैं। देश में चल रहे युद्ध के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की और उनकी पत्नी ओलेना जेलेंस्का ने एक मैग्जीन के लिए एक फोटोशूट कराया है। एक तस्वीर में जेलेंस्की और उनकी पत्नी एक दूसरे के करीब बैठे दिख रहे हैं। वहीं एक अन्य तस्वीर में दोनों एक दूसरे का हाथ थामे हुए हैं। मैग्जीन ने यूक्रेन की पहली महिला की फोटो को बहादुरी की तस्वीर बताया है। एक अन्य फोटो में ओलेना सेना के क्षतिग्रस्त वाहन के साथ पोज दे रही हैं, वहीं एक फोटो में ओलेना एक बिल्डिंग की सीढ़ियों पर पोज दे रही हैं। मैग्जीन ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, 'पत्रिका की विशेष डिजिटल कवर स्टोरी के लिए, यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की और उनकी पत्नी ने युद्ध के समय में जीवन, उनकी शादी और साझा इतिहास और यूक्रेन के भविष्य के सपनों के बारे में बात की।' यूक्रेन के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी का फोटो शूट लोगों को कुछ ज्यादा अच्छा नहीं लगा। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया। एक ट्विटर यूजर ने लिखा कि जब आप एक एक्टर को अपना राष्ट्रपति चुन लेते हैं तो युद्ध के समय भी उसकी प्रायोरिटी अलग ही होती हैं। वहीं एक अमेरिकी ने लिखा कि जब यूएस 60 बिलियन डॉलर की मदद दे रहा है तब ये फोटोशूट करा रहे हैं। कई लोगों ने इसे बेहद गैरजिम्मेदाराना बताया। रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमला किया है। युद्ध को लगभग 155 दिन हो गए हैं। लगभग 7000 यूक्रेनी नागरिक मारे जा चुके हैं। यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्र में रूस का कब्जा है। डोनबास रीजन में रूस का हमला और भी तेज हो गया है। युद्ध के बीच एक नई डेवलपमेंट देखने को मिली है, जिसमें यूक्रेन ने तीन भारतीय लोगों को रूस का समर्थन करने के लिए ब्लैकलिस्ट किया है।

म्यांमार के चार कार्यकर्ताओं को फांसी दिए जाने की संरा सुरक्षा परिषद ने की कड़ी निंदा

जिनेवा । मानवाधिकारों को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद काफी सक्रिय है। परिषद ने म्यांमार द्वारा 4 राजनीतिक कैदियों को फांसी दिए जाने की सर्वसम्मति से निंदा की और उससे सभी प्रकार की हिंसा को तत्काल रोकने तथा 'मानवाधिकारों और कानून के राज का पूरा सम्मान' करने का आह्वान किया। सुरक्षा परिषद के सभी 15 सदस्यों द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि चार राजनीतिक बंदियों को ऐसे वक्त में फांसी दी गई, जब दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ (आसियान) ने सजा पर पुनर्विचार करने की अपील की थी। परिषद के सदस्यों ने 'म्यांमार के लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता हस्तांतरण के लिए पूर्ण समर्थन और म्यांमार की संप्रभुत्ता, राजनीतिक स्वतंत्रता, क्षेत्रीय अखंडता तथा म्यांमार की एकता के प्रति उनकी मजबूत प्रतिबद्धता को भी दोहराया।' गौरतलब है कि आसियान म्यांमा में शांति लाने के वैश्विक प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है। म्यांमार में फरवरी 2021 में निर्वाचित सरकार का सेना द्वारा तख्तापलट किए जाने के बाद से व्यापक पैमाने पर अराजकता का माहौल है। आसियान ने इस सप्ताह दी गई फांसी की इस सजा को 'अत्यधिक निंदात्मक' बताया और कहा कि इससे सैन्य नेतृत्व तथा विरोधियों के बीच संवाद के उसके प्रयासों को झटका लगा है। जिन चार लोगों को सप्ताहांत फांसी दी गयी हैं उनमें 'नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी' के पूर्व सांसद, एक लोकतंत्र समर्थक और एक महिला की हत्या करने के दो आरोपी शामिल हैं, जिसे वे कथित तौर पर सेना की मुखबिर मानते थे।

कनाडा के सिटाडेले में कनाडा के गवर्नर जनरल के निवास पर एक स्वागत समारोह के दौरान पोप फ्रांसिस का स्वागत करते प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो और कनाडा की गवर्नर जनरल मैरी साइमन।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का आरोप, न्यायपालिका उनकी सरकार के प्रति दोहरा रवैया अपना रही

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को न्यायपालिका पर निशाना साधते हुए कुछ न्यायाधीशों पर उनकी गठबंधन सरकार के प्रति ''दोहरा मापदंड'' अपनाने का आरोप लगाया। उच्चतम न्यायालय ने एक दिन पहले शहबाज शरीफ के बेटे हमजा शरीफ को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण और सबसे अधिक आबादी वाले पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री पद से हटा दिया था, जिसके बाद उन्होंने यह टिप्पणी की। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को फैसला सुनाया था कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कायद (पीएमएल-क्यू) के नेता परवेज इलाही पंजाब के नए मुख्यमंत्री होंगे। इलाही (76) को अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी का समर्थन हासिल है। बुधवार तड़के उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसे प्रधानमंत्री शरीफ के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। शहबाज शरीफ ने यहां नेशनल असेंबली के सत्र को संबोधित करते हुए कहा, मैं न्यायपालिका का सम्मान करता हूं लेकिन नेशनल असेंबली में सच बोलना पड़ता है। उन्होंने कहा कि लोग उम्मीद करते हैं कि न्यायपालिका न्याय को ध्यान में रखते हुए निर्णय करेगी और न्याय का मानक सभी के लिए समान होना चाहिए।

तानाशाह नेता किम ने अमेरिका को दी चेतावनी

बोला- तनाव में परमाणु हथियार का प्रयोग करने से एक इंच नहीं कतराएगा उत्तर कोरिया

सियोल। (एजेंसी)।

दुनिया के नियमों को ताक पर रखने वाला उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन हमेशा अपनी मनमानी करता आया हैं। जहां पूरी दुनिया पर्यावरण को बचाने के लिए कम से कम परमाणु शक्तियों का प्रयोग करने के नियम बना रही हैं वहीं वह लगातार परमाणु परीक्षण करके अपने देश के हथिहारों को बढ़ाए जा रहा है। उत्तर कोरिया में लोग भूख और बीमारी से मर रहे हैं लेकिन उनकी चिंता छोड़कर किन दुनिया के ताकतवर देशों को धमकाने पर लगा है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने चेतावनी दी कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ संभावित सैन्य संघर्षों में अपने परमाणु हथियारों का उपयोग करने के लिए तैयार हैं। राज्य मीडिया ने गुरुवार को कहा, क्योंकि उन्होंने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ उग्र बयानबाजी की, उनका कहना है कि कोरियाई प्रायद्वीप को युद्ध के कगार पर धकेल रहे हैं।

किम जोंग ने दी अमेरिका के खिलाफ परमाणु बम प्रयोग करने की धमकी

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने धमकी दी है कि वह अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ संभावित सैन्य संघर्षों में अपने परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने को तैयार हैं। किम ने दावा है कि उनके प्रतिद्वंद्वी कोरियाई प्रायद्वीप को युद्ध की कगार पर धकेल रहे हैं। किम ने 1950-53 के कोरियाई युद्ध की समाप्ति की 69वीं वर्षगांठ पर पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। इस भाषण का उद्देश्य महामारी से संबंधित आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहे देश में आंतरिक एकता को बढ़ावा देना है। कुछ पर्यवेक्षकों का कहना है कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया के खिलाफ उत्तर कोरिया की धमकियां बढ़ सकती हैं, क्योंकि दोनों सहयोगी देश अपने सैन्य अभ्यास को विस्तार देने की योजना बना रहे हैं, जिसे उत्तर कोरिया आक्रमण के अभ्यास के तौर पर देखता है।

उत्तर कोरिया की परमाणु युद्ध क्षमता पूरी तरह तैयार

आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, किम ने बुधवार को भाषण में कहा, ''हमारे सशस्त्र बल किसी भी संकट से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और हमारे देश की परमाणु युद्ध क्षमता भी पूरी तरह तैयार है।'' उन्होंने अमेरिका पर अपनी शत्रुतापूर्ण नीतियों को न्यायसंगत ठहराने के लिए उत्तर कोरिया की ''खराब तस्वीर पेश करने'' का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका-दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यास अमेरिका के ''दोहरे मानदंड'' के प्रतीक हैं, क्योंकि वह उत्तर कोरिया की नियमित सैन्य गतिविधियों को उकसावे या धमकियों के तौर पर दिखाता है। दरअसल, वह उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षणों के संदर्भ में बात कर रहे थे। किम ने दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति यून सुक यिओल को ''उन्मादी'' बताया, जो पूर्व के दक्षिण कोरियाई नेताओं से भी आगे निकल गए हैं और कहा कि यून की रूढ़िवादी सरकार का नेतृत्व ''गुंडे'' कर रहे हैं।

राष्ट्रपति बाइडन संक्रमण मुक्त, 'कड़ा पृथकवास' समाप्त

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन बुधवार को की गई जांच में कोरोना वायरस के संक्रमण से मुक्त पाये गए हैं। इससे पहले मंगलवार रात की गई जांच में भी संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई थी। बाइडन के डॉक्टर के हवाले से जारी पत्र में व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। संक्रमण मुक्त होने के बाद बाइडन ने ''कड़ा पृथकवास'' समाप्त कर दिया है। 79 वर्षीय बाइडन पिछले सप्ताह कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। बाइडन ने अमेरिकियों से कहा, ''कोविड गया नहीं है।'' साथ ही लोगों से कहा कि कोविड-रोधी टीके की खुराक, बूस्टर खुराक और उपचार के जरिये गंभीर रूप से बीमार होने से बचा जा सकता है। संक्रमणमुक्त होने के बाद बाइडन ने बुधवार को व्हाइट हाउस के 'रोज गार्डन' में अपने संबोधन के दौरान जनता का आभार जताया और कहा, ''अब मुझे ओवल कार्यालय वापस जाना है।'' इससे पहले, डॉ केविन ओकोन्नोर ने कहा कि राष्ट्रपति ने उपचार की अवधि पूरी कर ली है और उनको बुखार नहीं है। उन्होंने कहा कि अब बाइडन में कोविड-19 बीमारी के कोई लक्षण नहीं हैं। व्हाइट हाउस के बयान जारी करने के कुछ देर बाद बाइडन ने ट्वीट किया, ''ओवल (कार्यालय) में वापसी।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्वीट के साथ कोविड-19 रैपिड जांच वाली फोटो साझा करते हुए परिणाम 'नेगेटिव' आने की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि बाइडन 21 जुलाई को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। हालांकि, वह पृथकवास के दौरान ऑनलाइन माध्यम से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे थे।

भारत ने इराक के दोहुक में बमबारी की निंदा की

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

भारत ने उत्तरी इराक में एक पर्वतीय रिजॉर्ट में हाल में हुई बमबारी की कड़ी निंदा की है और संयुक्त राष्ट्र से इराक की चिंताओं का हल निकालने को कहा है। भारत ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को इराक के विदेश मंत्री द्वारा जतायी गयी उन चिंताओं का समाधान निकालना चाहिए कि तुर्की की सेनाओं ने उनके देश की संप्रभुत्ता के खिलाफ 'खुला और घोर' हमला किया है। दोहुक में हमलों पर मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के उपराजदूत आर रवींद्र ने कहा कि इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र में दोहुक गवर्नरेट के जाखो जिले में हाल में बमबारी की 'कड़ी' भारत कड़ी निंदा करता है। उन्होंने कहा, 'सरकार तथा भारत के लोगों की ओर से, मैं इस हमले में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति गहन संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'' गौरतलब है कि इस हमले में नौ नागरिकों की मौत हो गयी और 33 अन्य घायल हो गए। रवींद्र ने कहा कि इराक क्षेत्र के भीतर इस तरह का हमला देश की संप्रभुत्ता पर 'स्पष्ट हमला' है। उन्होंने कहा कि एक असैन्य स्थान पर यह हमला अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का घोर उल्लंघन भी दर्शाता है। सोमवार को एक बयान में सुरक्षा परिषद के 15 सदस्य देशों ने दोहुक हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और सभी देशों से इराक सरकार के साथ सक्रियता से सहयोग करने का अनुरोध किया।

यूएसएआईडी की प्रशासक सामंथा पावर ने श्रीलंका की मदद के लिए की भारत की सराहना, चीन को लेकर कही ये बात

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

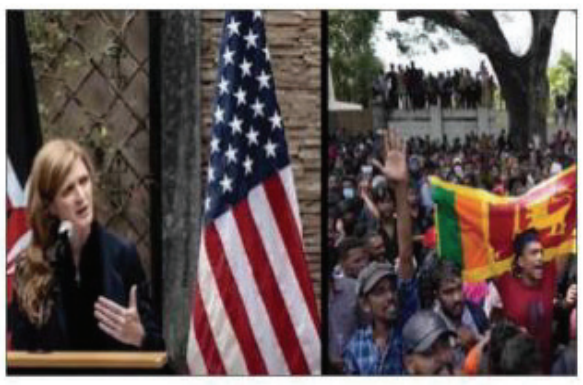

यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट की प्रमुख सामंथा पावर ने श्रीलंका को उसके आर्थिक संकट से निपटने में मदद करने के लिए भारत की सराहना की है। यूएसएआईडी प्रमुख इस समय भारत के दो दिवसीय दौरे पर हैं। दिल्ली आईआईटी में एक कार्यक्रम में एक संबोधन में सामंथा पावर ने कहा कि चीन श्रीलंका के 'सबसे बड़े लेनदारों' में से एक बन गया है। यूएसआईडी की प्रशासक सामंथा पावर ने कहा कि आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे श्रीलंका की भारत ने समय रहते मदद की है। उन्होंने कहा कि भारत ने जहां उपायों की एक महत्वपूर्ण सीरिज के साथ तेजी से प्रतिक्रिया दी है। वहीं चीन अहम राहत प्रदानकर्ता नहीं दिखा।

आपको बता दें की यूएसएआईडी वैश्विक स्तर पर सहायता करने वाली प्रमुख एजेंसियों में से एक हैं। सामंथा ने आईआईटी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि चीन श्रीलंका के सबसे बड़े लेनदारों में से एक बन गया है। उन्होंने कहा कि चीन अक्सर दूसरे कर्ज देने वाले देशों या संस्थानों की तुलना में ऊंची ब्याज दरों पर कर्ज की पेशकश करता है। उन्होंने कहा कि भारत ने ऋण सुविधा के तहत श्रीलंका को 3.5 अरब डॉलर का कर्ज दिया है। साथ ही श्रीलंका की गिरती इकोनॉमी को समर्थन देने के लिए कई अन्य तरह से मदद की पेशकश की है। उन्होंने कहा कि भारत ने मुश्किल समय में दुनिया के कई देशों की मदद की है। पावर 25 से 27 जुलाई तक भारत के दौरे पर आई थीं। अमेरिकी एजेंसी यूएसएआईडी वैश्विक स्तर पर सहायता करने वाली अग्रणी एजेंसियों में से एक है।

आपको बता दें कि श्रीलंका अब तक के सबसे गंभीर आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। ये संकट मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा की कमी के चलते पैदा हुआ। जिसका मतलब है कि देश के सामने अन्य मुख्य खाद्य पदार्थों और ईंधन के आयात के लिए भुगतान करने में बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। इस बीच पिछले दिनों गोटबाया राजपक्षे के देश छोड़कर चले जाने और राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद रानिल विक्रमसिंघे श्रीलंका के नए राष्ट्रपति बने हैं। विक्रमसिंघे पर देश को आर्थिक बदहाली से निकालने की जिम्मेदारी है।

खोज ली चांद पर इंसानों के रहने लायक जगह, भविष्य में तैयार की जा सकती हैं मानव बस्तियां

वाशिंगटन (एजेंसी)।

बचपन में चांद पर रहने का सपना अब असल जिंदगी में संभव हो गया है। जी हां, अब इंसान चांद पर रह सकते है। बता दें कि चांद की सतह पर ऐसे गड्ढे मिले है जो कि इंसानों के रहने के लिए बिल्कुल सही है। ये गड्ढे इंसानों के रहने के लिए उचित तापमान में पाए गए है। इन्हें नासा के लूनर रीकॉन्सेंस ऑर्बिटर की मदद से खोजा गया है। इन गड्ढों के अंदर का तापमान 17 डिग्री सेल्सियस है जो कि इंसान के रहने के लिए सक्षम है। अगर भविष्य में इन गड्ढों के अंदर बस्तियां बसाने का सोचा जाए तो ऐसा संभव हो जाएगा।

इन गड्ढों की खोज की रिसर्च रिपोर्ट जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स जर्नल में प्रकाशित की गई है। चांद पर रहने लायक इन गड्ढों को देख वैज्ञानिक भी काफी हैरान हैं। चांद पर पाए गए ये गड्ढे चंद्रमा के अन्य इलाकों के गड्ढों से बिल्कुल अलग हैं। आपको बता दें कि चांद पर तापमान इतना ज्यादा होता है कि धरती पर पानी उबल जाए और यहां एक दिन दो हफ्ते लंबा होता है। ऐसे में अगर इन गड्ढों का पता चलता है जो इंसानों के रहने के लायक है तो यह एक बड़ी बात है।

कहां मिले है यह गड्ढे

चांद पर इंसानों के रहने लायक यह गड्ढे मेयर ट्रांक्विलिटैटिस यानी सी ऑफ ट्रांक्विलिटी में मिले हैं और यह लगभग 328 फीट गहरे हैं। इनका तापमान चांद के अन्य गड्ढों के मुकाबले थोड़ा ही बदला हुआ है कोई ज्यादा अंतर नहीं है। नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर के एलआरओ प्रोजेक्ट की साइंटिस्ट नोआ पेट्रो भी काफी हैरान है और उन्होंने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि अगर अनका तापमान लगातार स्थिर रहता है तो यहां इंसानों के लिए बस्तियां तैयार की जा सकती है। नोआ पेट्रो ने आगे बताया कि लूनर पिट्स की सबसे पहले खोज साल 2009 में की गई थी।

गड्ढे और पिट्स में क्या है अंतर

जानकारी के लिए बता दें कि पिट्स और गड्ढे एक दूसरे से बिल्कुल अलग होते हैं। गड्ढे जहां छिछले होते हैं वहीं पिट्स वर्टिकली सीधी गहराई वाले होते हैं। अगर इनमें जाने का रास्ता मिले तो अंदर एस्ट्रोनॉट्स अपने रहने की जगह का निर्माण कर सकते हैं जिससे सोलर रेडिएशन, घटते-बढ़ते तापमान और छोटे

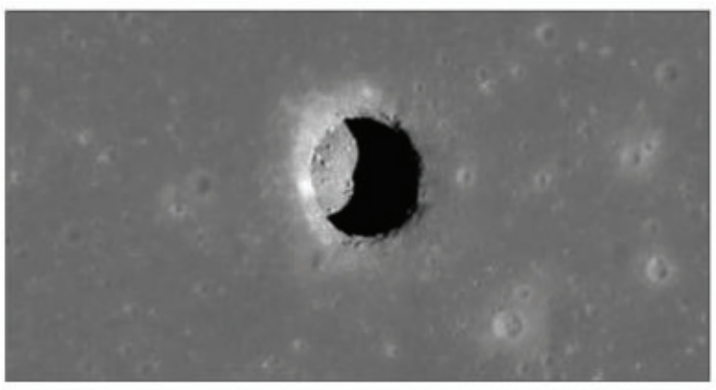

उल्कापिंडों के टकराने का खतरा खत्म हो जाता है। ये चांद की सतह से ज्यादा सुरक्षित होते हैं। भविष्य नें इन पिट्स जैसे गुफाओं में इंसानों को रहना पड़ सकता है जिसमें कोई दिक्कत की बात नहीं है क्योंकि इंसानों के पूर्वजों का जन्म स्थल पहले गुफा ही हुआ करता था। वहीं खाते और पीते थे। तो अगर सबकुछ सही रहा तो कुछ सालों में ही इंसान चांद पर रहने की ख्वाहिश देख पाएगा और वहां बस्तियां भी तैयार की जा पाएंगी।

जम्मू-कश्मीर में भीषण बारिश, रामबन के सभी शैक्षणिक संस्थान अगले आदेश तक बंद

श्रीनगर । जम्मू क्षेत्र में गुरुवार को भारी बारिश के बाद अचानक बाढ़ आने और मिट्टी धंसने के कारण रामबन जिले में स्कूल और शैक्षणिक संस्थान बंद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि चिनाब नदी में जल स्तर खतरे के स्तर 35 फुट से ऊपर चला गया है तथा प्राधिकारियों ने जल स्तर और बढ़ने की चेतावनी दी है। मिट्टी धंसने के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग भी बंद कर दिया गया है, इससे सैकड़ों वाहन फंस गए हैं। अधिकारी ने कहा, ''रामबन जिले में भारी बारिश के मद्देनजर आज सभी सरकारी और निजी स्कूल बंद रहने वाले हैं। छात्रों को घर पर तथा सुरक्षित रहने की सलाह दी गई है। प्राधिकारियों ने भारी बारिश के कारण जलाशयों का स्तर बढ़ने के कारण लोगों तथा बच्चों को उनसे दूर रहने की भी सलाह दी है। उन्होंने बताया कि कैफेटेरिया मूर और पंटियाल इलाकों में पत्थर गिरे, जिससे मेहार पर कश्मीर को शेष देश से जोड़ने वाला यह राजमार्ग अवरुद्ध हो गया। यातायात पुलिस के परामर्श के अनुसार, लोगों को मार्ग संबंधी पूर्ण जानकारी हासिल होने तक जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर यात्रा ना करने का सुझाव दिया गया है।

24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 20,557 नए मामले सामने आए, 44 लोगों की मौत

नई दिल्ली। भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 20,557 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,39,59,321 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 1,46,323 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 44 लोगों की मौत हो गई है। देश में कुल मृतकों की संख्या बढ़कर 5,26,211 हो गई है। देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 1,46,323 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.33 प्रतिशत है।

पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 1,297 की बढ़ोतरी हुई है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.47 प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 203.21 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 25 जनवरी को मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पेंशन को आय नहीं माना जा सकता, मद्रास हाईकोर्ट का फैसला

मदुरै । मद्रास हाईकोर्ट ने फैसले में कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पेंशन को किसी की आय नहीं माना जा सकता। यह पेंशन देश की आजादी की लड़ाई में योगदान को देखकर सम्मान स्वरूप दी जाती है। यह टिप्पणी कर हाईकोर्ट ने अधिकारियों को आदेश दिया कि वह याचिकाकर्ता महिला को स्वतंत्रता सैनिक सम्मान योजना के तहत दिवंगत पिता की पेंशन के अलावा सरकारी कर्मचारी रही मां की फैमिली पेंशन भी दें। रिपोर्ट के अनुसार, मामला तमिलनाडु के पुदुकोट्टाई का है। यहां एस.जीवालक्ष्मी नाम की महिला ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करके प्रशासन के फैमिली पेंशन देने से इनकार करने के आदेश को चुनौती दी थी। अविवाहित जीवालक्ष्मी के पिता एसटी शिवास्वामी एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। उन्हें स्वतंत्रता सैनिक सम्मान योजना के तहत पेंशन मिलती थी। जीवालक्ष्मी की मां एक निगम के प्राइमरी स्कूल में काम करती थीं। 1979 में मां की मृत्यु के बाद से उनकी फैमिली पेंशन भी पिता को मिलने लगी।

साल 2001 में शिवास्वामी का देहांत हुआ। उनकी कानूनी वारिस होने के नाते जीवालक्ष्मी को उनकी स्वतंत्रता सेनानी पेंशन मिलने लगी। हालांकि पिता की मृत्यु के बाद न तब जीवालक्ष्मी ने और न ही उनके किसी भाई-बहन ने मां की फैमिली पेंशन निकाली। 2001 में सरकार ने आदेश निकाला कि फैमिली पेंशन 25 साल से ऊपर की अविवाहित बेटियों को भी मिलेगी, लेकिन शर्त ये लगाई कि उसकी महीने की आमदनी 2550 रुपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। इसके बाद में 2017 में, आमदनी की ये सीमा बढ़ाकर 7850 रुपये कर दी गई। 2017 में जीवालक्ष्मी ने अपनी मां की पेंशन लेने के लिए आवेदन दिया, जिसे मंजूरी दे दी गई। हालांकि एक साल बाद ही अधिकारियों ने ये कहकर पेंशन बंद कर दी कि वह पेंशन पाने के योग्य नहीं हैं, क्योंकि उन्हें पहले से ही स्वतंत्रता सैनिक सम्मान योजना के तहत पेंशन मिल रही है। अधिकारियों के आदेश को जीवालक्ष्मी ने मद्रास हाईकोर्ट में 2020 में चुनौती दी। वहीं मामले में कोर्ट में सरकार की ओर से दलील दी गई कि जीवालक्ष्मी को सेनानी पेंशन के तौर पर 13390 रुपये मिल रहे हैं, इस तरह वह मां की फैमिली पेंशन के योग्य नहीं हैं, क्योंकि उनकी महीने की आमदनी निर्धारित सीमा से ज्यादा है। इसपर हाईकोर्ट के जस्टिस बी पुगलेंधी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और मद्रास हाईकोर्ट भी अपने पहले के फैसलों में ये स्पष्ट कर चुके हैं कि स्वतंत्रता सेनानी पेंशन योजना स्वतंत्रता संग्राम में लोगों के बलिदान और योगदान को देखते हुए दी जाती है। यह एक सांकेतिक सम्मान की तरह है। इसके बाद इस पेंशन को इनकम के दायरे में नहीं माना जा सकता।

दक्षिण भारत के क्षेत्रीय दल भाजपा के खिलाफ एकजुट

हैदराबाद । दक्षिण भारत में लोकसभा की 130 सीटें हैं। इनमें से कर्नाटक की 25 तथा 4 अन्य राज्यों में लोकसभा की सीट भाजपा के पास हैं। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह से दक्षिण के राज्यों में अपनी ताकत बढ़ाने के लिए, क्षेत्रीय दलों के बीच सेंध लगाने का काम कर रही है। इससे दक्षिण भारत के क्षेत्रीय दल कमजोर हो रहे हैं। दक्षिण भारत के क्षेत्रीय दलों ने भाजपा से मुकाबला करने के लिए एकजुट होना शुरू कर दिया है। दक्षिण भारत की संस्कृति और प्रत्येक राज्य का ताना-बाना भाषाई संस्कृति बनी रहे। इसके लिए क्षेत्रीय दलों ने एकजुट होना शुरू कर दिया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने दक्षिण भारत के राज्यों को भाषाई आधार पर,भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करने के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं। हिंदी भाषा और हिंदुत्व को नए नजरिए को थोपने का विरोध दक्षिण भारत के राज्य करने लगे हैं। पिछले कुछ माह में क्षेत्रीय दलों के खिलाफ जिस तरह से तोड़फोड़ का अभियान भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाया जा रहा है। उससे दक्षिण भारत के क्षेत्रीय दल सतर्क हो गए हैं। लोकसभा चुनाव के पूर्व दक्षिण भारत के राज्यों में भाजपा के खिलाफ जो माहौल बन रहा है। वह आश्चर्यचकित करने वाला है।

अर्पिता मुखर्जी के ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई जारी, दूसरे घर में भी मिला अकूत खजाना

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मंत्री पार्थ चटर्जी की करीबी अर्पिता मुखर्जी के खिलाफ ईडी की कार्रवाई जारी है। अर्पिता मुखर्जी के अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। कोलकाता के आसपास 3 जगहों पर प्रवर्तन निदेशालय की ओर से छापेमारी की गई। इस दौरान अर्पिता मुखर्जी के बेलघरिया स्थित एक और फ्लैट पर ईडी ने छापेमारी की। ईडी की इस छापेमारी में करीब 29 करोड रुपए कैश और 5 किलो के आसपास सोना बरामद हुआ है। कैश की मात्रा इतनी ज्यादा थी कि ईडी को इसे गिनने में 10 घंटे का समय लग गया। हैरान करने वाली बात तो यह है कि अर्पिता ने यह सारा पैसा टॉयलेट में छिपा रखा था। आपको बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय पश्चिम बंगाल में टीचर भर्ती घोटाले में कार्यवाही कर रही है। इसी सिलसिले में पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि जब यह घोटाला हुआ, उस समय पार्थ चटर्जी राज्य के शिक्षामंत्री थे। इससे पहले ईडी ने अर्पिता मुखर्जी के एक फ्लैट से करीब 21 करोड़ और कीमती सामान बरामद किए थे। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय ने अर्पिता को 23 जुलाई को गिरफ्तार कर लिया था। यही कारण है कि अब पार्थ चटर्जी की भी मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। तृणमूल कांग्रेस में भी पार्थ चटर्जी को मंत्रिमंडल से बाहर करने की मांग उठने लगी है। ईडी पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष और तृणमूल कांग्रेस के विधायक मनिक भट्टाचार्य से भी पूछताछ कर रही है। बताया जाता है कि अर्पिता मुखर्जी के बेलघरिया के ठिकानों पर छापेमारी के दौरान ईडी को फ्लैट के दरवाजे तोड़ने पड़े। मुखर्जी ने पूछताछ के दौरान ईडी को कोलकाता के आसपास की अपनी संपत्ति की जानकारी दी थी। एक अधिकारी ने बताया कि हमें हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में दो में से एक फ्लैट में बड़ी मात्रा में नकदी मिली है। हमने रुपयों की गिनती के लिए तीन मशीनें मंगवाई हैं, ताकि पता चले कि वास्तव में कितनी राशि है। उन्होंने बताया कि फ्लैटों की तलाशी के दौरान कई अहम दस्तावेज बरामद हुए हैं।

मुझसे बात मत करो, संसद में स्मृति ईरानी पर भड़कीं सोनिया गांधी दोनों में हुई तीखी बहस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भाजपा की ओर से राज्यसभा और लोकसभा में जमकर हंगामा किया गया। इसके बाद अब सदन से बाहर सोनिया गांधी और स्मृति इरानी की तीखी बहस हुई है। दरअसल सदन की कार्यवाही स्थगित किए जाने के बाद सोनिया गांधी जब बाहर निकल रही थीं तो उन्हें देखकर भाजपा के सांसद नारेबाजी करने लगे। इस बीच सोनिया गांधी भाजपा की सांसद रमा देवी के पास आईं और उन्होंने कहा कि अधीर रंजन चौधरी ने अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांग ली है। इसी बीच स्मृति इरानी ने बीच में दखल देने की कोशिश की, जिस पर सोनिया गांधी भड़क गईं। उन्होंने कहा कि मैं आपसे बात नहीं करना चाहती। सोनिया गांधी ने Don't talk to me कहा, जिसके जवाब में स्मृति इरानी ने भी कुछ कहा और दोनों के बीच करीब दो मिनट तक तीखी बहस चली। साफ है कि संसद में विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच कड़वाहट बढ़ गई है और नेताओं के आपसी रिश्तों में भी खटास देखने को मिल रही है। बता दें कि स्मृति इरानी इस मुद्दे पर संसद में भी आक्रामक थीं। उन्होंने कहा था कि सोनिया गांधी की अनुमति से ही अधीर रंजन चौधरी ने ऐसा बयान दिया है, इसलिए खुद सोनिया गांधी को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मामले पर कहा, 'हमारे कुछ लोकसभा सांसदों को खतरा महसूस हुआ जब सोनिया गांधी हमारी वरिष्ठ नेता रमा देवी के पास यह जानने के लिए आईं कि क्या हो रहा था। इस दौरान हमारा एक सदस्य वहां पहुंचा और सोनिया गांधी ने कहा 'मुझसे बात मत करो। वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा लोकसभा में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अमर्यादित और अपमानजनक व्यवहार किया। लेकिन क्या स्पीकर इसकी निंदा करेंगे? क्या नियम सिर्फ विपक्ष के लिए होते हैं।

367 जगहों पर स्थानीय निकायों के चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण नहीं मिलेगा, सुप्रीम कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली । महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम आदेश जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 367 जगहों पर स्थानीय निकायों के चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण नहीं मिलेगा। दरअसल आरक्षण की अनुमति मिलने से पहले ही राज्य चुनाव आयोग ने 367 जगहों के लिए अधिसूचना जारी कर दी थी। इसके बाद अब यहां बिना आरक्षण के ही चुनाव होगा। कोर्ट ने कहा कि उन सीटों के लिए नए सिरे से चुनाव की अधिसूचना जारी नहीं की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर राज्य चुनाव आयोग ने ऐसा किया, तब ये कोर्ट की अवमानना होगी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को महाराष्ट्र चुनाव आयोग को जमकर फटकार लगा दी। दरअसल आयोग ने आरक्षण देने के लिए दोबारा अधिसूचना जारी करने का आदेश जारी किया था। जिसे शीर्ष अदालत ने ने गलत माना, अदालत ने कहा कि चुनाव आयोग उन चुनावों में हस्तक्षेप नहीं कर सकता है जिन्हें पहले ही अधिसूचित किया जा चुका है। बता दें कि 20 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण लागू करने की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया था। उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) और सभी राज्य प्राधिकरणों को ये सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि ओबीसी आरक्षण से संबंधित आयोग द्वारा की गई सिफारिश के अनुसार स्थानीय निकायों के चुनाव की प्रक्रिया तुरंत शुरु करे।

बच्ची बोली आप मोदी जी हैं और लोकसभा में काम करते हैं, जवाब सुनकर खूब हंसे पीएम मोदी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

पीएम मोदी को बच्चे बहुत पसंद हैं। बच्चों के सामने वह बहुत अलग अंदाज में पेश आते हैं। ऐसा ही एक वायका पीएम मोदी के ऑफिस का है, जब भाजपा सांसद की पांच वर्षीय बेटी से पीएम मोदी ने पूछा कि क्या आप और मुझे जानती हैं? बच्ची ने कहा मैं आपको जानती हूं, आप लोकसभा में नौकरी करते हैं। यह जवाब सुनकर से पीएम मोदी सहित वहां बैठा पूरा स्टाफ हंस पड़ा। बच्ची की मासूमियत से पीएम मोदी बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने उस बच्ची से देर तक बात की और जाते समय एक चाकलेट भी दी।

दरअसल मामला यह है कि बुधवार को भाजपा सांसद अनिल फिरोजिया को 5 साल की बेटी से पीएम मोदी ने बातचीत की। मध्य प्रदेश के उज्जैन से सांसद फिरोजिया संसद में अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री से मिलने गए थे। इस दौरान उनकी 5 साल की बच्ची अहाना भी उनके साथ थी। पीएम मोदी ने अहाना फिरोजिया से पूछा कि क्या आप जानती हैं कि मैं कौन हैं? तो 5 वर्षीय बच्ची ने जवाब दिया हां, मुझे पता है आप मोदी जी हैं। आप टीवी पर रोज आते हैं। इसके बाद, पीएम ने बच्ची से पूछा क्या आप जानती हैं कि मैं क्या करता हूं? इस पर अहाना ने तुरंत जवाब दिया आप लोकसभा में नौकरी करते हैं। यह सुनकर कमरे में मौजूद सभी लोग हंस पड़े और हंसते हुए पीएम मोदी ने लड़की के कमरे से निकलने से पहले उसे चॉकलेट दी।

अहाना के पिता हाल ही में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा प्रस्तुत एक चुनौती लेने के बाद अपना वजन कम करने के लिए सुर्खियों में आए थे।

पीएम मोदी से मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए फिरोजिया ने कहा आज एक अविस्मरणीय दिन है। दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता, देश के सबसे सफल और सबसे सम्मानित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मिलने का सौभाग्य मिला। उनका आशीर्वाद और जनता की निस्वार्थ सेवा का मंत्र प्राप्त हुआ। फिरोजिया ने कहा मैं भाग्यशाली हूं कि देश को अपना पूरा जीवन समर्पित करने वाले ऐसे मेहनती, ईमानदार, निस्वार्थ और बलिदानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में मुझे जनता की सेवा करने का अवसर मिला है। आज मेरी दोनों बेटियां, छोटी लड़की अहाना और बड़ी लड़की प्रियांशी प्रधानमंत्री से सीधे मिलने और उनका स्नेह पाने से खुश और अभिभूत हैं।

एकनाथ शिंदे के समूह वाली शिवसेना और भाजपा मिलकर लड़ेंगे औरंगाबाद निकाय चुनाव

औरंगाबाद। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का बागी समूह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन बनाकर औरंगाबाद नगर निगम (एएमसी) का चुनाव लड़ेंगे। शिवसेना के बागी समूह के एक पदाधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। दरअसल, जल्द ही एएमसी चुनाव होने वाले हैं और तारीखों की घोषणा की जानी बाकी है। शिवसेना और भाजपा का गठबंधन तीन दशकों से अधिक समय तक नगर निकाय में सत्ता में रह चुका है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन कर राज्य में महा विकास आघाड़ी सरकार का गठन किया था। इसके बाद एएमसी के उपमहापौर विजय औतादे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। औतादे भाजपा के नेता हैं। एकनाथ शिंदे के समूह वाली शिवसेना के जिला अध्यक्ष राजेंद्र जांजल ने पीटीआई-से कहा, ''अब शिंदे समूह और भाजपा औरंगाबाद नगर निगम चुनाव एक साथ लड़ेंगे। इस पर शुरुआती चर्चा पहले ही हो चुकी है।'' उन्होंने दावा किया कि औरंगाबाद का विकास तब शुरू हुआ जब देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने शहर के लिए धनराशि देना शुरू किया था।

मंकीपॉक्स संक्रमण के 95 प्रतिशत मामलों का कारण यौन संबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दुनिया भर में मंकीपॉक्स के बढ़ते संक्रमण के बीच रिसर्च में बड़ा खुलासा हुआ है। शोध में कहा गया है कि मंकीपॉक्स से संक्रमित 98 प्रतिशत पुरुष थे, और इनमें से ज्यादातर, पुरुषों (एमएसएम) के साथ यौन संबंध रखते थे। इसके साथ ही 41 प्रतिशत रोगियों को एचआईवी संक्रमण था। रिसर्च में कहा गया है कि संक्रमित व्यक्तियों की औसत आयु 38 वर्ष थी और संदेह है कि संक्रमण के 95 प्रतिशत मामलों का कारण यौन संबंध है।

रिसर्च में आशंका जाहिर की गई हैं कि मंकीपॉक्स संक्रमण यौन संबंधों से फैल रहा है। रिसर्च में 27 अप्रैल से 24 जून के बीच 16 देशों में 43 जगहों पर 528 संक्रमितों का ऑब्जर्वेशन किया गया। हालांकि इनमें से किसी की मौत नहीं हुई है। इनमें सिर्फ 13 प्रतिशत रोगियों को अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता लगी। अभी तक 74 देशों में मंकीपॉक्स के लगभग 18,000 कंफर्म मामले सामने आए हैं। मामलों की समीक्षा से साफ होता हैं, कि संक्रमित लोगों में से 1 से 3 प्रतिशत मरीजों की इलाज के अभाव में मृत्यु हो गई और मृत्यु दर 3 से 6 प्रतिशत है। वहीं भारत में मंकीपॉक्स संक्रमण को लेकर केंद्र सरकार काफी सतर्क है। भारत सरकार ने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन से एक मार्गदर्शन दस्तावेज तैयार करने के लिए कहा है। एक्सपर्ट्स ने एचआईवी/एड्स रोकथाम नेटवर्क और इस क्षेत्र में काम करने वाले एनजीओ के माध्यम से निगरानी करने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

राष्ट्रपति का अपमानः अधीर रंजन पर केंद्रीय मंत्रियों ने बोला चौतरफा हमला

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को कांग्रेस के लोकसभा में नेता अधीर रंजन चौधरी द्वारा 'राष्ट्रपत्नी' कहे जाने पर गुरुवार को सियासी हंगामा हो गया। जहां बीजेपी के तमाम नेताओं ने अधीर रंजन पर राष्ट्रपति के अपमान का आरोप लगाकर तीखे हमले किए। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी एक आदिवासी महिला को राष्ट्रपति की कुर्सी पर बैठे देखकर बर्दाश्त नहीं कर पा रही है। बीजेपी लगातार अधीर रंजन चौधरी और कांग्रेस की नेता सोनिया गांधी से देश से माफी मांगने की मांग कर रहे हैं। इधर अधीर रंजन चौधरी का कहना है कि 'वह मानते हैं कि उनसे चूक हुई है. गलती से उनके मुंह से ये शब्द निकल गया है। कुछ लोग राई का पहाड़ बना रहे हैं। जरुरत पड़ी तब मैं राष्ट्रपति से मिलकर माफी मांगूंगा।

कांग्रेस नेता चौधरी पर हमला बोलकर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आरोप लगाया कि 'लोकसभा में विपक्ष के नेता का उद्देश्य स्पष्ट रूप से नवनिर्वाचित राष्ट्रपति का अपमान करना था, जो एक स्व-निर्मित महिला हैं, एक आदिवासी पृष्ठभूमि से आती हैं. पूरा भारत उनका समर्थन कर रहा है। राष्ट्रपत्नी' शब्द का प्रयोग कहीं नहीं होता है। राष्ट्रपति शब्द पुरुष और महिलाओं दोनों के लिए समान रूप से इस्तेमाल होता है। यह एक सामान्य ज्ञान है।

वहीं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि जब से द्रौपदी मुर्मू का नाम राष्ट्रपति के उम्मीदवार के रूप में घोषित हुआ, तब से ही द्रौपदी मुर्मू कांग्रेस पार्टी की घृणा और उपहास का शिकार बनीं। कांग्रेस पार्टी ने उन्हें कठपुतली कहाज कांग्रेस आज भी इस बात को स्वीकार नहीं कर पा रही कि एक आदिवासी महिला इस देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद को सुशोभित कर रही हैं।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि राष्ट्रपति के अपमान को लेकर पूरा देश आक्रोशित है, लेकिन कांग्रेस पार्टी हमारे जनजातीय समाज का बार-बार अपमान करती रही है। आज कांग्रेस की अध्यक्ष कहती हैं कि अधीर रंजन ने माफी मांगी, लेकिन अधीर रंजन कहते हैं कि मैं माफी क्यों मांगूं?

वहीं बीजेपी सांसद रमा देवी ने रंजन की टिप्पणी को लेकर कहा कि राष्ट्र इस बर्दाश्त नहीं करेगा। महिलाओं के रूप में हम इस बर्दाश्त नहीं करने वाले हैं। एक आदिवासी महिला के राष्ट्रपति होने पर शर्म महसूस करने के लिए हमें उन (कांग्रेस नेता) पर शर्म आती है। उन्हें माफी मांगनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि ये (अधीर चौधरी की 'राष्ट्रपत्नी' वाली टिप्पणी) दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस पार्टी को माफी मांगनी चाहिए और मांगनी पड़ेगी। ये सर्वोच्च पद पर बैठी देश की महिला का अपमान है, देश के आदिवासियों का अपमान है और साथ ही साथ भारत के सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान है।

उधर चौधरी ने संसद भवन परिसर में कहा कि मैं जानता हूं कि भारत की राष्ट्रपति चाहे कोई भी हों, हमारे लिए राष्ट्रपति ही हैं। ये शब्द बस एक बार निकला है, ये चूक हुई है लेकिन सत्ताधारी पार्टी के कुछ लोग राई का पहाड़ बना रहे हैंज अगर जरुरत पड़ी तब मैं राष्ट्रपति से मिलकर माफी मांगूंगा। मैं बार-बार कह रहा हूं कि मुझसे चूक हुई है लेकिन ये सभी मुद्दे को भटका रहे हैं। मुझे बोलने का मौका देना चाहिए, राष्ट्रपति सर्वोच्च स्थान पर हैं। मैं कभी सपने में भी नहीं सोच सकता कि ऐसा कहूं।

इस दौरान कांग्रेस नेता अधीर के बयान पर हंगामे के बीच कांग्रेस पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी उनका बचाव करती दिखीं. सोनिया ने कहा कि वह (अधीर) पहले ही माफी मांग चुके हैं। संसद भवन परिसर में जब सोनिया गांधी से पूछा गया कि क्या वह अधीर रंजन चौधरी से माफी मांगने के लिए कहेंगी तब उन्होंने कहा, 'वह पहले ही माफी मांग चुके हैं।

राष्ट्रपत्नी विवाद को लेकर भाजपा ने कांग्रेस को बताया आदिवासी विरोधी, कहा- सोनिया गांधी को मांगनी चाहिए माफी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हमलवार है। भाजपा ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस पर आदिवासी विरोधी होने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संविधान सभा में जो तय हो चुका है, जिस पर बहस नहीं होनी चाहिए। ऐसे मुद्दे से फिर से छेड़छाड़ की गई। लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने भारत के सबसे ऊंचे और सबसे पवित्र राष्ट्रपति पद को लेकर जो टिप्पणी की है, उससे हम बहुत आहत हैं।

उन्होंने कहा कि अधीर रंजन चौधरी ने जिस तरह से राष्ट्रपति जी को संबोधित किया, उसकी हम घोर निंदा करते हैं। पहली बार आदिवासी महिला इस देश की राष्ट्रपति बनी है। जिस दिन उनके नाम की घोषणा की गई, उसी दिन से कांग्रेस की टिप्पणियां सामने आने लगी। उन्होंने कहा कि उसी दिन कांग्रेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा द्वारा राष्ट्रपति उम्मीदवार का चयन भारत के बहुत बुरे दर्शन का प्रतिनिधित्व करता है। उसके बाद भी एक के बाद एक बयान आते गए। लेकिन जब वो राष्ट्रपति पद पर बैठ गई, उसके बाद तो कोई टिप्पणी आनी ही नहीं चाहिए।

किरेन रिजिजू ने कहा कि आज हमनें मीडिया में सुना कि अधीर रंजन चौधरी इसे छोटी बात बता रहे थे। इस तरह की हल्की टिप्पणी करके राष्ट्रपति की गरिमा को उन्होंने जो चोट पहुंचाई है, उसके लिए अधीर रंजन चौधरी और पूरी कांग्रेस पार्टी एवं उनकी अध्यक्ष सोनिया गांधी को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए।

सोनिया गांधी मांगें माफी

इसी बीच भाजपा नेता डॉ. भारती प्रवीण पवार ने कहा कि आज फिर एक बार कांग्रेस की आदिवासी विरोधी और महिला विरोधी मानसिकता सामने आई है। अधीर रंजन चौधरी द्वारा देश की प्रथम आदिवासी महिला राष्ट्रपति के प्रति अपमानजनक टिप्पणी की गई है। इससे हमारे देश, संविधान, महिलाओं और जनजातीय समाज की गरिमा को ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस से कहना चाहती हूं कि क्या हमारे देश में आदिवासियों को कोई अधिकार नहीं है। इस

तरह से अपमान करने वालों से हम कहना चाहते हैं कि राष्ट्रपति पद की गरिमा का ध्यान रखो। इस कृत्य के लिए सोनिया गांधी जी को ही माफी मांगनी चाहिए।

अधीर रंजन ने मांगी माफी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर आपत्तिजनक बयान मामले में अधीर रंजन ने माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि मेरे जुबान से गलती से राष्ट्रपत्नि निकला, मैंने अपनी गलती स्वीकारी...वे चुनाव के दौरान सोनिया गांधी के बारे में क्या कहते हैं? शशि थरूर की पत्नी और रेणुका चौधरी के बारे में क्या कहा? मैंने राष्ट्रपति से समय मांगा, मैं उनसे बात कर माफी मांगूंगा।